दैनिक
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
# नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | भोपाल, सोमवार 05 अक्टूबर 2020, आश्विन कृष्ण पक्ष-तृतीया, विक्रम संवत-2077 वर्ष-04 अंक-152 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | डाक पंजीयन संख्या -म प्र /भोपाल /4-468/2018-20 | मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

# भोपाल में रेप: 40 साल के परिचित ने 20 साल की दलित लड़की से दुष्कर्म किया

**बदहवास हालत में निर्माणाधीन मकान में मिली पीड़िता, लोगों ने आरोपी को पीट-पीटकर पुलिस के हवाले किया**

**वारदात के दौरान मुख्य आरोपी के दो दोस्त ही युवती को पकड़कर जबरन कमरे के अंदर तक ले गए थे**

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के बैरागढ़ इलाके में 20 साल की एक दलित लड़की से रेप का मामला सामने आया है। मामले में तीन आरोपी बनाए गए हैं। आरोपियों ने एक्टिवा लौटाने आई पीड़िता को जबरन कमरे में बंधक बना लिया था। इसके बाद मुख्य आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दुष्कर्म किया, जबकि उसके 2 साथी कमरे के बाहर शराब पीकर पहरा देते रहे। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर **शेष पृष्ठ 7 पर**

## बदहवास हालत में मिली लड़की

लड़की सुबह बैरागढ़ के 12 नंबर कैंपस के एक निर्माणाधीन मकान में बंधक मिली। वह बदहवास हालत में थी। उसे कुछ चोटें भी थीं। यह देखकर लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने आरोपी की जमकर पिटाई की। आरोपी देवी सिंह को पुलिस के हवाले कर दिया गया। घायल होने के कारण उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी कौशल ने बताया कि पीड़िता घुमक्कड़ जाति से संबंधित है। अगर वह दलित श्रेणी में आती है तो आरोपियों के खिलाफ अन्य धाराएं भी बढ़ाई जाएंगी। तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

## ऐसे हुई वारदात

पीड़िता ने बताया कि वह 40 साल के देवी सिंह को पहचानती है। काम के सिलसिले में शनिवार को वह देवी से एक्टिवा ले गई थी। रात करीब 9:30 बजे वह देवी सिंह को निर्माणाधीन मकान पर गाड़ी लौटाने गई थी। उसके साथ दो और दोस्त वहां पर थे। वह उन्हें नहीं जानती थी। देवी ने कहा कि उसके पैसे गिर गए हैं। अंधेरे में दिख नहीं रहे हैं। टॉर्च दिखा दो। जैसे ही दरवाजे के पास टॉर्च दिखाने लगी तो उसके दोनों दोस्तों ने मुझे पकड़ लिया और कमरे के अंदर कर दिया। देवी ने मेरे साथ मारपीट करके दुष्कर्म किया और उसके दोनों साथी बाहर बैठकर पहरा देते रहे।

## आज बेबाक

राजनीतिक दल अपनी खोई हुई जमीन को तलाशने और खबरिया चैनल अपनी टीआरपी को बढ़ाने के लिए किसी भी हद तक गिर सकते हैं। क्या करें, गंदा है पर धंधा है। अब तो कई खबरिया चैनल अपनी पसंदीदा राजनीतिक पार्टियों के अनाधिकृत प्रवक्ता बन गए है और उनके गुप्त एजेंडे पर ही काम कर रहे हैं। नतीजतन राजनीतिक दलों और खबरिया चैनलों की बची-खुची विश्वसनीयता खत्म होने की कगार पर पहुंच गई है। यदि सब इसी तरह अपनी-अपनी ढपली पर अपना-अपना राग अलापते रहे तो बहुत जल्द इनके सामने वोटरों और दर्शकों का टोटा हो जाएगा।

### हाथरस : पीड़िता के भाई की मांग- डीएम को करें सस्पेंड

# सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से कराएं मामले की जांच

हाथरस ए.। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में दलित युवती के साथ हुई हैवानियत के बाद बुलगढ़ी गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। पीड़ित परिवार का हाल जानने और न्याय दिलाने की मांग को लेकर नेताओं का आना जारी है। इसी बीच पीड़िता के भाई ने कहा है कि हम सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से इस मामले की जांच कराने की मांग करते हैं। साथ ही, हमारी मांग है कि जिला अधिकारी को निलंबित किया जाए।

बता दें कि जिला अधिकारी के कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिसको लेकर उनपर सवाल उठ रहे हैं। वहीं परिवार ने भी डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार पर धमकी देने का आरोप लगाया है। वहीं रविवार को भी कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर डीएम को अविलंब बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने लिखा, 'हाथरस के पीड़ित परिवार के अनुसार सबसे बुरा बर्ताव डीएम का था। उन्हें कौन बचा रहा है? उन्हें अविलंब बर्खास्त कर पूरे मामले में उनके रोल की जांच हो। परिवार न्यायिक **शेष पृष्ठ 7 पर**

## आरएलडी कार्यकर्ताओं का पुलिस से टकराव, लाठीचार्ज

हाथरस ए.। उत्तर प्रदेश के हाथरस में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। रविवार को रेप पीड़िता के परिजन से मुलाकात करने गए समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के कार्यकर्ताओं का पुलिस के साथ टकराव हो गया। पुलिस के लाठीचार्ज में एसपी जिलाध्यक्ष गिरीश यादव समेत कई लोग जख्मी हो गए हैं। आरएलडी नेता जयंत चौधरी पर भी पुलिस ने लाठियां बरसाई, हालांकि कार्यकर्ताओं ने उन्हें बचाते हुए घेरा बना लिया। हाथरस में पीड़िता के गांव में राष्ट्रीय लोक दल नेता जयंत चौधरी भी पहुंचे हुए हैं। उन्होंने पीड़ित

परिजन से घर के अंदर बैठकर मुलाकात की। इस दौरान गांव में आरएलडी **शेष पृष्ठ 7 पर**

## बलरामपुर गैंगरेप: आरोपियों पर लगेगा एनएसए

*बलरामपुर ए.। बलरामपुर जिले के गैसड़ी कोतवाली के गांव में दलित छात्रा के साथ हुई दरिंदगी की घटना को सीएम योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से लिया है। रविवार को सीएम के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी व एडीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने गांव पहुंचकर मृत छात्रा के परिजनों से मुलाकात की। शासन के दोनों अधिकारियों ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि अभियुक्तों पर रासुका लगाया जाएगा। साथ ही पूछताछ के लिए गिरफ्तार अभियुक्तों को पुलिस रिमांड पर भी लिया जाएगा।*

## नरसिंहपुर में शर्मनाक घटना :नाबालिग बहन से सगे भाई ने रेप किया

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर से तीन दिन के अंदर शर्मसार करने वाला एक और मामला सामने आया है। यहां सगे भाई ने अपनी नाबालिग बहन के साथ रेप किया। इतना ही नहीं, मां भी बेटे की घिनौनी हरकत को छिपाती आ रही थी। पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी भाई पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।16 साल की लड़की ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके भाई ने उसके साथ गलत काम किया है। मां यह सब जानते हुए भी परदा डाले रही और उस पर भी किसी को न बताने का दबाव डाला गया। लड़की की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी और उसकी मां को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।इससे पहले गुरुवार को जिले के चीचली थाना क्षेत्र में दलित महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आ चुका है। घटना से आहत महिला ने खुदकुशी कर ली थी। इससे पहले पीड़ित महिला रिपोर्ट लिखाने के लिए तीन दिन तक थाने के चक्कर लगाती रही थी। इस मामले में जमकर हंगामा हुआ था। थाना और चौकी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया था।

### पंजाब में गरजे राहुल गांधी, बोले-

# सत्ता में आते ही कूड़ेदान में फेंक देंगे तीनों कृषि कानून

मोगा ए.। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कृषि कानूनों को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को पंजाब के मोगा में 'खेती बचाओ यात्रा' के दौरान अहम ऐलान किया। राहुल गांधी ने कहा कि सत्ता में आते ही तीनों कानूनों को कूड़ेदान में फेंक देंगे।

राहुल गांधी ने मोगा में कहा, मैं आपको गारंटी देता हूं कि जिस दिन कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है, हम तीनों कानून को खत्म कर देंगे और उसे कूड़ेदान में फेंक देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि अगर किसान इन कानूनों से खुश हैं तो वे देशभर में विरोध प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं? पंजाब में सभी किसान विरोध क्यों कर रहे हैं। राहुल गांधी ने **शेष पृष्ठ 7 पर**

## विरोध कर रहीं पार्टियां बिचौलिये : जावड़ेकर

*पणजी ए.। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने हाल में लागू किए गए कृषि कानूनों का विरोध कर रही पार्टियों पर बिचौलियों के बिचौलिए की तरह काम करने का रविवार को आरोप लगाया। जावड़ेकर ने कृषि कानूनों के संबंध में लोगों को जागरूक करने की भाजपा की पहल के तहत गोवा दौरे के दूसरे दिन संवाददाताओं से कहा कि वास्तविक स्थिति यह है कि किसानों को उनकी पैदावार की कम कीमत मिलती है, जबकि उपभोक्ता ऊंचे दाम पर इसे खरीदते हैं।उन्होंने कहा कि बिचौलिए कीमतों में वृद्धि करते हैं और कृषि कानून इन बिचौलियों को खत्म कर इस समस्या को दूर करता है।*

## खास- खबर

### दिवंगत आईएएस अधिकारी की पत्नी कांग्रेस में शामिल

बेंगलुरू । कर्नाटक के दिवंगत आईएएस अधिकारी डीके रवि की पत्नी कुसुम रवि ने रविवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार , पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और पूर्व उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने सुश्री कुसुम के पार्टी में शामिल होने का स्वागत किया है। सूत्रों के मुताबिक सुश्री कुसुम को राजराजेश्वरी नगर विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार मुनिरत्ना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है।

### वरिष्ठ बीजद नेता प्रदीप महारथी का निधन

भुवनेश्वर । बीजू जनता दल(बीजद) के वरिष्ठ नेता एवं ओडिशा के पूर्व मंत्री प्रदीप महारथी का शनिवार देर रात यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 65 वर्ष के थे। श्री महारथी गत 14 सितम्बर को कोरोना संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती थे। वह पिछले दो दिन से वेंटिलेटर पर थे।

### दिल्ली: सभी स्कूल 31 तक रहेंगे बंद

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने कोरोना वायरस की वजह से सभी स्कूलों को 31 अक्टूबर तक बंद रखने का फैसला किया है। उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को इसका ऐलान किया।

### कृष्णा नदी में डूबने से चार मछुआरों की मौत

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के रेयुरु गांव में नदी में मछली पकड़ने गए मछुआरों की नाव पलट जाने के कारण चार मछुआरों की डूबने से मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि मछुआरों के शवों को रविवार को नदी में से निकाला गया। पुलिस के मुताबिक कुछ मछुआरे

## कर्नाटक के पर्यटन मंत्री रवि ने दिया इस्तीफा

बेंगलुरू । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के पर्यटन मंत्री सीटी रवि ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त होने के परिप्रेक्ष्य में मंत्रीपद से इस्तीफा दे दिया है। श्री रवि ने ट्वीट करके कहा कि उन्होंने अपना मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा को भेज दिया है चिकमंगलूर निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि श्री रवि ने कहा कि वह नयी दिल्ली जायेंगे और भाजपा की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सोमवार को आयोजित बैठक में हिस्सा लेंगे।

### बिहार इलेक्शन: राजग में दरार

# लोजपा अकेले लड़ेगी चुनाव

नई दिल्ली । बिहार में अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में भी दरार पड़ गई है और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) ने विधानसभा का चुनाव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-जनता दल यूनाइटेड (जदयू) गठबंधन से अलग होकर लड़ने का ऐलान किया है। लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की अध्यक्षता में संसदीय दल की रविवार को यहां हुई बैठक में बिहार विधानसभा का चुनाव भाजपा-जदयू गठबंधन से अलग होकर लड़ने का फैसला किया गया, लेकिन साथ ही लोजपा संसदीय बोर्ड ने चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन का भी प्रस्ताव दिया है।

# विश्व में करीब साढ़े तीन करोड़ लोग कोरोना संक्रमित, 10.31 लाख से अधिक की मौत

वाशिंगटन/ रियो डि जेनेरो/ नयी दिल्ली । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रकोप से विश्वभर में अब तक करीब साढ़े तीन करोड़ लोग संक्रमित हुए हैं और 10.31 लाख से अधिक लोगों की मौत हो गयी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में तीन करोड़ 47 लाख 97 हजार तीन सौ 92 लोग संक्रमित हो चुके है वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में संक्रमण से 2.09 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है तथा यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है और अब तक 73.73 लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं। भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक संक्रमितों की कुल संख्या अब 65,49,373 हो गयी है। पिछले 24 घंटों में 82,259 मरीज स्वस्थ हुए हैं, जिसके साथ ही अब तक कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 55,09,966 हो गयी है।

### लद्दाख में पांच माह से जारी है तनाव

# भारत और चीन में फिर होगी कोर कमांडर स्तर की वार्ता

लेह ए.। लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पिछले पांच महीनों से जारी भारत-चीन के बीच तनाव जारी है। दोनों देशों के बीच एक बार फिर से कोर कमांडर स्तर की वार्ता होने जा रही है। यह बैठक 12 अक्टूबर को होगी। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया भारत-चीन के बीच 12 अक्टूबर को होने वाली कोर कमांडर स्तर की बातचीत पूर्वी लद्दाख सेक्टर में होगी, जिसमें दोनों देशों की सेनाओं के बीच में चल रहे तनाव को कम करने पर चर्चा होगी। अभी तक दोनों पक्ष छह बार कोर कमांडर स्तर की वार्ता कर चुके हैं और यह बैठक सातवीं होगी।

भारत-चीन में पिछली बार कोर कमांडर स्तर की बातचीत 21 सितंबर को हुई थी, जिसमें कई बातों पर सहमति बनी थी। यह बैठक 13 घंटे तक चली थी। बैठक में पहली बार विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हुए थे।

पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून को चीनी सैनिकों के साथ झड़प में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव काफी बढ़ गया था। इस झड़प में चीनी पक्ष के जवान भी मारे गए थे लेकिन चीन ने इस बारे में और अधिक जानकारी जाहिर नहीं की थी।

## कोच्चि में ग्लाइडर दुर्घटनाग्रस्त, नौसेना के दो कर्मियों की मौत

कोच्चि ए.। केरल के कोच्चि में नियमित उड़ान के दौरान रविवार सुबह एक ग्लाइडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. हादसे में नौसेना के दो कर्मियों की मौत हो गई. रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने हादसे की पुष्टि की है। हादसे की जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि केरल के कोच्चि जिले में रविवार सुबह थोप्पुमदी पुल के पास ग्लाइडर के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो नौसेना अधिकारियों की मौत हो गई।

## केंद्रीय मंत्री पासवान की हार्ट सर्जरी

*केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के दिल की सर्जरी हुई है।*

*यह जानकारी उनके बेटे और लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार को एक ट्वीट के जरिए दी। पीएम मोदी ने उनके बेटे चिराग पासवान से बातचीत कर पासवान का हाल जाना। पिता की सेवा करने के लिए भी पीएम ने चिराग की तारीफ भी की और कहा ठीक होने पर पासवान जी को आप पर गर्व होगा। गृह मंत्री और रक्षा मंत्री ने भी चिराग पासवान से बात की है।*

### उम्मीद | इस माह के अंत तक तय होगा कि पहले किनको मिलेगी कोरोना वैक्सीन: हर्षवर्धन

# जुलाई 2021 तक 50 करोड़ डोज देने का टारगेट

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने रविवार को कहा कि मंत्रालय एक प्रारूप तैयार कर रहा है, जिसमें सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश उन लक्षित आबादी समूहों की सूची पेश करेंगे, जिन्हें पहले कोरोना वैक्सीन दी जानी चाहिए। इस माह के अंत तक इस सूची के पूरी होने की संभावना है।

डॉ हर्षवर्धन ने संडे संवाद में कहा, सरकार युद्धस्तर पर इस दिशा में काम कर रही है कि जब कोरोना वैक्सीन तैयार हो, तो लोगों के बीच इसका समान वितरण सुनिश्चित हो पाये। दुनिया के अन्य देशों की तरह केंद्र सरकार भी इसी बात पर ध्यान दे रही है कि किस तरह हर व्यक्ति को कोरोना वैक्सीन मुहैया करायी जाये। इसके लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समूह का गठन किया गया है, जो कोरोना वैक्सीन के सभी पहलुओं पर ध्यान दे रही है।

## पूरी जानकारी दें राज्य सरकारें

*डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि राज्य सरकारों को साथ ही यह निर्देश दिया गया है कि वे कोल्ड चेन फैसिलिटी और कोरोना वैक्सीन के वितरण से संबंधित अन्य आधारभूत ढांचों की पूरी जानकारी भी दें। केंद्र सरकार इसके अलावा वैक्सीन के समुचित और समान वितरण के लिए मानव संसाधन, प्रशिक्षण और निरीक्षण संबंधी क्षमता में विस्तार की योजना पर काम कर रही है। ऐसा अनुमान है कि जुलाई 2021 तक करीब 20 से 25 करोड़ लोगों को कोरोना वैक्सीन दी जायेगी। यह भी अनुमान जताया गया है कि तब तक कोरोना वैक्सीन के 40 से 50 करोड़ डोज खरीदे जायेंगे और उनका वितरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि सरकार इन योजनाओं को अंतिम रूप देने के समय कोरोना से संबंधित रोगप्रतिरोधक आंकड़ों पर नजर बनाये हुए है।*

## अपील: प्लाज्मा दान करने से न घबराए लोग

*डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि कोरोना संक्रमण मुक्त हुए लोगों को प्लाज्मा दान करने से घबराना नहीं चाहिए क्योंकि यह रक्तदान से भी आसान है। डॉ. हर्षवर्धन ने आज संडे संवाद में कहा कि लोग प्लाज्मा देने से कतराते हैं क्योंकि शायद उन्हें इससे कुछ डर लगता है। केंद्रीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कुछ चुनिंदा संस्थानों को ही प्लाज्मा थेरेपी के परीक्षण की मंजूरी दी है। प्लाज्मा के दानकर्ता को तलाशना मुश्किल काम है क्योंकि इसके लिए लोग आगे नहीं आते हैं।*

## जीएसटी काउंसिल की बैठक आज

नई दिल्ली ए.। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की सोमवार को होने वाली बैठक के हंगामेदार रहने के आसार हैं, क्योंकि गैर-भाजपा शासित राज्य अभी भी क्षतिपूर्ति के मुद्दे पर केंद्र के साथ असहमत हैं। भाजपा शासित राज्यों समेत कुल 21 राज्यों ने जीएसटी क्षतिपूर्ति के मुद्दे पर केंद्र सरकार का समर्थन किया है। इन राज्यों के पास चालू वित्त वर्ष में जीएसटी राजस्व में कमी की भरपाई के लिये 97 हजार करोड़ रुपये उधार लेने का विकल्प चुनने का सितंबर मध्य तक समय था। हालांकि पश्चिम बंगाल, पंजाब और केरल जैसे विपक्षी दलों द्वारा

## दीपिका पादुकोण से पूछताछ करने वाले एनसीबी अधिकारी कोरोना पॉजिटिव

मुंबई ए.। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के उप निदेशक केपीएस मल्होत्रा, जो सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण से पूछताछ के दौरान मौजूद थे, की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

एनसीबी ने जून में मुंबई के बांद्रा में अपने अपार्टमेंट में राजपूत की मौत और बॉलीवुड में संभावित ड्रग रैकेट में ड्रग-एंगल की जांच कर रही है। अब तक, दीपिका पादुकोण, श्रद्धा कपूर, सारा अली खान और रकुल प्रीत

सिंह से एनसीबी ने पूछताछ की है। इस केस में और भी लोगों से पूछताछ की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ड्रग पेडलर्स और पादुकोण, कपूर और खान के बीच कोई संबंध नहीं पाया गया, जिनसे एजेंसी ने सितंबर के अंत में पूछताछ की थी।

## न्यूज गैलरी

### नशीली टेबलेट के साथ दो गिरफ्तार, कैप्सूल जब्त

**रायपुर।** नशीली टेबलेट बेचते दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से 24 पत्ता टेबलेट जब्त किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि और मनोउत्तेजक प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 21 बी के तहत अपराध दर्ज गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर मरीन ड्राईव तेलीबांधा में दो युवकों के द्वारा नशीली टेबलेट बेचने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़कर उनके पास से 24 पत्ता कैप्सुल स्पास ट्रांनकेन पल्स टेबलेट कुल 144 नग कीमत 936 रुपयें जब्त की गई है। पकड़े गए आरोपियों का नाम पता पुछने पर उन्होंने अपना नाम इमरान खान उर्फ इमु 29 वर्ष पिता शाहजहां खान निवासी संजय नगर आरडीए प्लाट टिकरापारा व संजय बेनवा 31 वर्ष पिता स्व.दारा सिंह बेनवा निवासी श्रीनगर खमतराइ बताया है। दोनों आरोपी आपस में दोस्त बताये जा रहे है।

### बालिका गृह से लड़की लापता,जांच में जुटी पुलिस

**रायपुर।** बाल बालिका गृह से नाबालिग लड़की बिना बताये कही चले जाने की रिपोर्ट खम्हारडीह थाने में दर्ज की गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय बाल बालिका गृह संस्था शंकरनगर खम्हारडीह की अधीक्षिका श्रीमती रत्ना दूबे 59 वर्ष पति स्व.आरके दूबे ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि बालबालिका गृह संस्था शंकरनगर से 17 वर्षीय लड़की निवासी ग्राम उडेसा थाना सिमगा बलौदाबाजार 3 अक्टूबर को शाम 5 बजे बिना बताए कही चली गई,जो वापस नहीं आयी। ऐसा आशंका जतायाी जा रही है कि किसी ने लड़की को बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया।

### हाईवे पर मोबाईल लूट करने वाले आरोपी पकड़ाए

**रायपुर।** राजधानी पुलिस के सायबर सेल ने हाइवे पर मोबाइल लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह को पकड़ा है। पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी कि कुम्हारी टोल प्लाजा से मंदिर हसौंद क्षेत्र के बीच से गुजरने वाले हाईवे पर लगातार मोबाइल लूट की घटनाएं हो रही है। पुलिस ने सायबर सेल ने मुखबिर के सूचना पर दीपांकर को गिरफ्तार कर कड़ाई से पुछताछ की तो उसने सारी वारदाते अपने साथी सौरभ मुखर्जी के साथ अंजाम देना बताया। आरोपी हाईवे में आने वाली शराब दुकानों पर भी मोबाइल चोरी करते थे। गैंग के तीसरे आरोपी लुटेरे गोलू को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपियो दीपांकर, सौरभ मुखर्जी और गौलू नशे के आदी है और नशे की पूर्ति के लिए लुट की घटनाओ को अंजाम देते थे। आरोपी ने बताया कि हाइवे पर करीब 12 मोबाइल लूट लिए हैं।

### सड़क हादसे में बाईक सवार की मौत

**रायपुर।** सड़क हादसे में बाईक सवार की उपचार के दौरान मौत हो गया। घटना की रिपोर्ट तेलीबांधा थाने में दर्ज की गई है। बीएसयूपी कालोनी तेलीबांधा निवासी दिलीप साहु ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि प्रार्थी का भाई रामदयाल साहु 45 वर्ष वाहन चलाता है। 2 अक्टूबर को किसी काम से बाईक से गया हुआ था । देररात तक वापस नही आने पर दूसरे दिन घरवालों को पता चला कि अग्रसेन मोड़ तेलीबांधा के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04एचटी 5212 के चालक ने एक्सीडेन्ट कर दिया। जिसके चलते मृतक के सिर में गंभीर चोट आने की वजह से उसे उपचार के लिये मेकाहारा अस्पताल में भर्ती किया गया है।

# यूपी में कांग्रेस के नेताओं पर अत्याचार शर्मनाक, किया प्रदर्शन

*नव प्रदेश संवाददाता*

**रायपुर।** प्रदेश एनएसयूआई ने राजधानी रायपुर स्थित जयस्तंभ चौक में संसदीय सचिव विकास उपाध्याय की मौजूदगी में प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में यूपी में हो रहे पूर्व कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी पर हो रहे अत्याचार एवं लाठीचार्ज पर रविवार को प्रदेश एनएसयूआई ने विरोध दर्ज कराया एवं आसमान में काले गुब्बारे छोड़े गए।

इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं द्वारा जमकर यूपी पुलिस और उत्तर प्रदेश प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। संसदीय सचिव विकास उपाध्याय द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ जमकर नारेबाजी की और जिस प्रकार यूपी में पुलिस प्रशासन द्वारा कांग्रेस के नेताओं पर अत्याचार किया जा रहा है उसको लेकर अपना विरोध दर्ज कराया।।

संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने कहा की गांधी परिवार आजादी के समय से ही देश को आजाद कराने से लेकर समय-समय पर इस देश के लिए अपना बलिदान दिया है और उसी परिवार के 2 सदस्य द्वारा जब पीड़िता के घर जाकर उनका हालचाल पूछने जा रहे थे तो पुलिस द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। यह घटना बेहद शर्मनाक है। इसी के साथ एनएसयूआई के द्वारा विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम किया गया ।

प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा कहां की कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी पर पुरुष पुलिस कर्मी द्वारा उनके कपड़े को खींचतान किया जा रहा था और उनके साथ धक्का-मुक्की जा रही थी यह घटना बहुत ही ज्यादा निंदनीय है इसी को लेकर आज हमने पूरे प्रदेश में काले गुब्बारे छोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया और उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रशासन से ही मांग है कि महिलाओं के साथ अत्याचार बंद हो। इस कार्यक्रम में संसदीय सचिव विकास उपाध्याय प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष भावेश शुक्ला प्रदेश महासचिव प्रतीक सिंह जिला अध्यक्ष रायपुर अमित शर्मा प्रदेश सचिव हनी बग्गा, जनपद उपाध्यक्ष योगेश साहू शान सैफी, चेयरमैन तुषार गुहा, प्रवक्ता सौरव सोनकर जिला अध्यक्ष धमतरी राजा देवांगन जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष विनोद कश्यप, अजय साहू महासचिव संकल्प मिश्रा, निखिल बंजारी, सचिव विकास दुबे, अभिनव शर्मा, मेहताब हुसैन, विधानसभा अध्यक्ष देव सेन आदि।

# घर पहुंच बिजली सेवा 'मोर बिजली एप' का सीएम भूपेश आज करेंगे लोकार्पण

### बेहद उपयोगी है सौ फीसदी नि:शुल्क सेवा

*नव प्रदेश संवाददाता*

**रायपुर।** राज्य शासन की रीति नीति प्रदेश के सभी श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं को सस्ते दाम पर बिजली के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवा सुविधा देने की है इस दिशा में आगे बढ़ते हुए न्यू टेक्नोलॉजी का उपयोग करके छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिसटीब्यूशन कंपनी ने मोर बिजली एप को निर्मित किया है जिसके नए फीचर्स का लोकार्पण सोमवार 5 अक्टूबर को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कर कमलों से होगा। छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार आरंभ की गई यह सुविधा बिजली उपभोक्ताओं को विद्युत विषयक कार्यों के लिए बिजली दफ्तर के चक्कर लगाने से लगभग सोलह आना बचा सकती है।

इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर कोई भी उपभोक्ता नि:शुल्क डाउनलोड कर सकता है, और बिजली संबंधित 16 प्रकार से अधिक कार्यो का निपटारा घर बैठे किसी भी समय कर सकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का यही संदेश रहा है कि उपभोक्ता हमारे परिवार का एक अभिन्न सदस्य है, उसकी सेवा में संपूर्ण त्याग और निष्ठा का परिचय देकर ही संस्था को आगे बढ़ाया जा सकता है, इसके अनुपालन में माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 5 अक्टूबर की शाम 6:00 बजे अपने निवास कार्यालय से मोर बिजली एप में शामिल नए फीचर्स का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के चेयरमैन सुब्रत साहू, प्रबंध निदेशक हर्ष गौतम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित होंगे।

### सुविधा पूरी तरह नि:शुल्क

*मोर बिजली एप को एक बार मोबाइल पर डाउनलोड करने के बाद उपभोक्ता गण कभी भी किसी समय बिजली संबंधित 16 किस्म के कार्यो का निपटारा चुटकी बजाते कर सकते हैं। यह सुविधा पूरी तरह से नि:शुल्क है। पावर कंपनी प्रबंधन द्वारा अपील की गई है कि निशुल्क जनहितकारी मोर बिजली एप को अपनाएं साथ ही अधिकाधिक लोगों को अपनाने के लिए प्रेरित करें।*

# हाथरस घटना : सांसद छाया वर्मा एवं फूलोदेवी ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष को लिखा पत्र

*नव प्रदेश संवाददाता*

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद श्रीमती छाया वर्मा और श्रीमती फूलोदेवी नेताम ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा को पत्र लिखकर हाथरस जाते समय प्रियंका गांधी के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार पर मामला दर्ज कर कठोर कार्यवाही की मांग की है।

सांसदों ने अपने पत्र में लिखा है कि आपको यह शिकायत भेजते हुए मन बहुत व्यथित है और सिर शर्म से झुका जा रहा है। ऐसा लग रहा है मानों उत्तर प्रदेश में पुलिस महिलाओं के साथ अपमान और दुर्व्यवहार करने पर उतारू है। सांसदों ने कहा कि 3 अक्टूबर को दिल्ली से उत्तर प्रदेश के हाथरस जाते हुए कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा को उत्तर प्रदेश पुलिस ने रास्ते में रोका। वे उत्तर प्रदेश के हाथरस में दलित बच्ची के साथ हुए बलात्कार, हिंसा तथा पुलिस की लीपापोती के बाद पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे। इस दौरान जो कुछ घटा उसने मुझे यह शिकायत करने को बाध्य किया है। कांग्रेस नेत्रियों ने कहा कि भारत के संविधान में महिलाओं के लिए विशेष कानून हैं, उसमें यह प्रावधान किया गया है कि किसी महिला को रोकने और पकडने का कार्य केवल महिला पुलिसकर्मी ही कर सकती है, कोई पुरूष पुलिसकर्मी नहीं। लेकिन उत्तर प्रदेश पुलिस ने सभी हदें पार कर दी हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक पुरुष अधिकारी ने न केवल श्रीमती प्रियंका गांधी को रोका बल्कि बेहद अशोभनीय ढंग से उनके कपड़े भी पकड़कर खींचे। यह तस्वीर टीवी चैनलों, अखबारों और सोशल मीडिया पर भी प्रमुखता से प्रकाशित-प्रसारित हुई है। उत्तर प्रदेश पुलिस के इस दुर्व्यवहार से पूरे देश में महिलाओं में जबरदस्त आक्रोश है। हर राज्य में, जिले में, कस्बे में, गांव में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर देश का हर पिता-माता व भाई चिंतित है।

उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग से अनुरोध किया है कि प्रकरण को संज्ञान में लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस के इस अधिकारी और उनके सभी आला अधिकारियों के खिलाफ महिला आयोग मामला दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए, जिससे भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो सके।

# यूपीएससी परीक्षा केंद्रों में नि:शुल्क मास्क, सेनेटाइजर का वितरण

*नव प्रदेश संवाददाता*

**रायपुर।** प्रान्तीय अखण्ड ब्राह्मण समाज द्वारा संचालित यूपीएससी प्रतियोगी परीक्षा केंद्रों में रविवार को संगठन के पदाधिकारीयों एवं सदस्यों द्वारा कोरोना महामारी से बचाव एवं सुरक्षा के लिए नि:शुल्क मास्क एवं सेनीटाइजर का वितरण शासकीय डीबी गर्ल्स महाविद्यालय, शास. जेआर दानी स्कूल, शास. बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल, हिंदू हाई स्कूल एवं अन्य परीक्षा केंद्रों में किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष पं योगेश तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष नारी प्रकोष्ठ श्रीमती भारती किरण शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती डॉ.सरिता दुबे, सह सचिव श्रीमती सुनीता मिश्रा, मिडिया प्रभारी कमलेश शर्मा, प्रदेश पदाधिकारी, उमेश, शुभम, गौरव दुबे, अलग अलग टीम बनाकर परीक्षा केन्द्रों में जाकर बाहर से आये परीक्षार्थियों को वितरित कर मेडिकेटेड मास्क लगाये परिक्षार्थियों को दुबारा उपयोग न करने का संदेश दिया। एवं उसे सुरक्षित फाड़कर कूड़ेदान में फेंकने की सलाह दी। संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं ने वैश्विक कोरोनो काल में सुरक्षित रहने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने व बाहर खाने- पीने की चीजों को खरीदने पर कागज का प्रयोग करनें, तथा हो सकें तो पीने के पानी स्वयं लेकर आने उसका प्रयोग को महत्व देने की बात कही।

### सहायक शिक्षकों के समयमान वेतन को लटकाने पर शिक्षकों में आक्रोश -गोस्वामी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ ने व्ययभार के नाम पर सहायक शिक्षकों के समयमान वेतन को लटकाये रखने के चल रहे प्रयासों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए बिना व्ययभार की गणना किये ही सहायक शिक्षक को समयमान वेतनमान देने एवं व्याख्याताओं के समयमान वेतनमान की विसंगति करने की मांग शासन प्रशासन से की है। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ प्रांतीय प्रवक्ता जगदीश गोस्वामी ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग वित्त निर्देश/ 8 अगस्त 2020 द्वारा अधिकारियों, कर्मचारियों को तृतीय समयमान वेतनमान देने के लिए आदेशित किया गया जिससे सहायक शिक्षक तथा व्याख्याताओं के समयमान वेतनमान में जारी आदेश विसंगति है। आदेश के अनुसार यदि सहायक शिक्षकों को 30 वर्ष की सेवा के उपरांत तृतीय समयमान, वेतनमान दिया जाता है तो उन्हें लाभ के बजाय हानि होगी।

# कांग्रेस-भाजपा जमानत बचाने संघर्षरत : जकांछ

### अमित जोगी को हरा सके कांग्रेस-भाजपा में दम नहीं - रिजवी

**रायपुर।** जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के मीडिया प्रमुख, मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व उपमहापौर तथा वरिष्ठ अधिवक्ता इकबाल अहमद रिजवी ने कहा है कि मरवाही उपचुनाव में कांग्रेस एवं भाजपा से प्रत्याशी बनने कोई तैयार नहीं हो रहा है। उहापोह की स्थिति को देखते हुए दोनों दलों में कोई भी बलि का बकरा बनने सामने नहीं आ रहा है। प्रत्याशी चयन में दोनों राष्ट्रीय दल असहाय सिद्ध हो रहे हैं तथा प्रत्याशी को दलीय कोष से भारी भरकम पार्टी फंड का लालच देकर चुनाव में पार्टी प्रत्याशी खड़ा कर कांग्रेस एवं भाजपा अपनी साख बचाने के प्रयास में है। कांग्रेस तो महिलाओं को रिझाने साड़ी-पेटीकोट, लहंगा बांटने के प्रयास में है। इन वस्तुओं से लदा ट्रक पुलिस के हाथ लग गया है तथा इस प्रलोभनार्थ हरकत से कांग्रेस की वोट हासिल करने की स्तरहीन सोच उजागर हो गई है। कांग्रेस-भाजपा द्वारा इस चुनाव में करोड़ों रूपए पानी की तरह बहाने के आसार नजर आ रहे हैं। रिजवी ने आगे कहा है कि जोगी गढ़ मरवाही में कांग्रेस एवं भाजपा अपनी जमानत बचाने की जद्दोजहद में व्यस्त है। दोनों दलों में पराजय का आभास हो चुका है।

**सबक** किसानों को कीट एवं बीमारियों रोकथाम नियंत्रण की दी गई जानकारी

# किसान को फसलों की सुरक्षा के लिए सलाह

*नव प्रदेश संवाददाता*

**रायपुर।** राज्य में खरीफ मौसम खरीफ फ सलों की सुरक्षा और कीट-व्याधियों की रोकथाम हेतु कृषि विभाग द्वारा किसान भाईयों को आवश्यक सलाह दी गई है। कृषि विभाग ने कहा है कि चालू खरीफ मौसम में पर्याप्त वर्षा होने के कारण धान की फसल अच्छी पैदावार होने की संभावना है। विगत दिनों से राज्य के कुछ जिलों में असामयिक वर्षा एवं आर्द्र मौसम होने के कारण कीट एवं बीमारियों के प्रकोप की शिकायत मिल रही है। वर्तमान मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को विभिन्न कीट एवं बीमारियों के नियंत्रण हेतु निम्नानुसार उपाय अपनाने की समझाईश दी गई है।

कृषि विभाग ने पेनीकल माईट सूक्ष्म जीव से फसलों की रक्षा के संबंध में जानकारी देते हुए कहा है कि इसके प्रकोप के कारण पौधे में दाना एवं बालिया बदरंग हो जाती है। दानों में दूध नहीं भरने के कारण बालियां पोचा पड़ जाता है। दाने बदरंग हो जाते है और भूरा धब्बा जैसे दिखाई पड़ते है। ये जीव बालियों के रस को चूस लेती है ये सामान्य आखों से दिखाई नहीं देता ये बहुत अधिक संख्या में पौधों के शीथ के नीचे छिपे होते है। इसके नियंत्रण के लिए प्रोपर जाईट 57 प्रतिशत की 25 मि.ली प्रति स्प्रेयर की दर से एवं इथियोन 50 प्रतिशत तथा सायपर मेथ्रिन 30 प्रतिशत की दर से एवं प्रोपिकोनाजोल 25 प्रतिशत की 30 मि.ली. प्रति स्प्रेयर की दर से छिड़काव सुबह या शाम में करने की सलाह दी गई है। इसी तरह धान फसल में भूरा माहो रोग की समस्या देखने को मिल रही है। भूरा माहो धान की बहुत ही नुकसान दायक कीट है, जो धान के तने से रस चूस कर बहुत तेजी से नुकसान पहुंचाता है। वातावरण में उसम होने के कारण भूरा माहो का प्रकोप बढ़ जाता है। मध्यम से लंबी अवधि में पकने वाली किस्मों में अधिक नुकसान पहुंचाती है। भूरा माहो के प्रकोप वाले पौधें गोल घेरे में पीली या भूरे रंग के दिखाई देनी लगती है व सूख जाती हैं यह कीट पानी के सतह के ऊपर पौधें से चिपककर रस चूसता है। भूरा माहो के नियंत्रण के लिए किसान को नीम का तेल 2500 पी.पी.एम. वाला 1 लीटर प्रति एकड़ छिड़काव करना चाहिए या इमिडाक्लोरोपिड 17.8 एस.एल. 25 मि.ली. प्रति एकड़ या डायनोटेफ्यूरोन 20 प्रतिशत एस.जी. 60 ग्राम प्रति एकड़ की दर से छिड़काव फसल एवं मेड़ पर करने की सलाह दी गई है।

कृषि विभाग ने कहा है कि शीथ ब्लाइट एक फफूंद जनित रोग है। यह फसल के सही प्रबंधन नहीं होने के कारण होता हैं। जिस खेत में अधिक दिनों तक लगातार पानी जमा रहने से, नमी युक्त मौसम व मेड़ों पर उगे घास से धान में फैलती है। धीरे-धीरे बीमारी पूरे फसल में फैल जाती है। इस रोग से ग्रसित धान फसल की बालियां काली पड़ती है। शीथ ब्लाइट का प्रकोप सबसे पहले धान के तने में होता है। तने में काले धब्बे पड़ जाते है। इसके नियंत्रण के लिए किसान खेत में जमे अतिरिक्त पानी का निकासी करें, तुरंत फफूंद नाशक दवाईयां जैसे कार्बेन्डाजिम का छिड़काव 500 ग्राम प्रति 500 लीटर पानी में घोल बनाकर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

# लंबे समय के बाद संडे हुआ अनलॉक, सड़कों पर बढ़ी खरीददारों की भीड़

*नव प्रदेश संवाददाता*

**रायपुर।** लगातार छह माह के कोरोना वायरस कोविड 19 के कारण लगे लाकडाउन के बाद छह माह में आज पहली बार संडे अनलॉक होते ही शहर के घने क्षेत्रों यथा मालवीय रोड, गोलबाजार, सदरबाजार, एमजी रोड, फुटकर व्यापारी मौदहापारा सहित शहर के कालोनी में स्थित दुकानों के खुलने पर लोगों की खरीददारी के लिए लंबी भीड़ देखी गई। ज्ञातव्य है कि रविवार को अवकाश होने के कारण लोग सुबह से ही घरों से निकलकर खरीददारी के लिए बाजारों की ओर रूख किये। संडे बाजार के लिए आने वाले व्यापारी लंबे समय बाद अच्छी ग्राहकी देखकर प्रसन्न हुए। वहीं छोटापारा, बैजनाथ पारा, एवरग्रीन चौक, चिकनी मंदिर नयापारा मार्ग आदि में कई बार भीड़ के चलते जाम की स्थिति निर्मित हुई। विदित हो कि हाल ही में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुपरस्टार अमिताभ बच्चन को दिये गये साक्षात्कार में कहा था कि अब वे और लॉकडाउन करने के पक्ष में न हीं है। मुख्यमंत्री की उक्त घोषणा के उपरांत ही व्यापारियों सहित शहरियों के चेहरों में संतोष देखा गया। संडे बाजार में घरेलू उपयोग की चीजें सस्ते दामों में मिलती है इसलिए शहर के लोगों को भी संडे बाजार का इंतजार रहता है। लंबे समय बाद संडे अनलॉक होने के कारण फुटकर व्यापारियों के दुकानों में लोग सामानों का मोलभाव करते हुए खरीददारी करते हुए दिखे।

# भाजपा में 3 सीटों पर पेंच, सभी उम्मीदवारों के ऐलान को लेकर फिर मंथन शुरू

## उपचुनाव में 25 सीटों पर पहले से ही प्रत्याशी तय हैं, सिर्फ तीन सीटों को लेकर संशय

**मध्य प्रदेश में 28 विधानसभा सीटों पर 9 अक्टूबर से नामांकन दाखिल किए जाएंगे**

*शिवम यादव*

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में 28 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। इसी सप्ताह के अंत में 9 अक्टूबर से नामांकन दाखिल करने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। लेकिन भाजपा अब तक आधिकारिक तौर पर एक भी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं कर पाई है। पार्टी की तरफ से 25 सीटों पर तो सभी उम्मीदवार लगभग तय हैं, लेकिन तीन सीटों के कारण सभी के नामों का ऐलान अटक गया है। ऐसे में आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दिल्ली जा रहे हैं। इसके बाद उम्मीदवारों के नामों की घोषणा को लेकर फिर से अटकलें चलने लगी हैं। मध्य प्रदेश में 3 नवंबर को मतदान के बाद 10 नवंबर को तय होगा कि शिवराज या कमलनाथ के साथ जनता का साथ है। अब तक प्रचार में आगे चलने वाली भाजपा उम्मीदवारों के नामों का ऐलान करने में कांग्रेस और बसपा से काफी पीछे चल रही है। कांग्रेस ने अपने 24 प्रत्याशियों और तीसरी ताकत बनने का जतन कर रही बसपा ने भी 18 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है।

### 25 सीटों पर नाम तय

कांग्रेस से भाजपा में आए 25 पूर्व विधायकों को फिर से टिकट दिए जाने पर सहमति बन चुकी है। इस स्थिति में पार्टी को सिर्फ 3 सीटों पर ही प्रत्याशी चयन के लिए मंथन करना पड़ रहा है, जो विधायकों के निधन के बाद रिक्त हुई हैं। यह सीट हैं- मुरैना जिले की जौरा, राजगढ़ जिले की ब्यावरा और आगर मालवा जिले की आगर, इसमें दो सीट कांग्रेसी विधायक के निधन और एक सीट भाजपा विधायक के निधन के बाद खाली हुई है। इन सीटों पर प्रत्याशी चयन को लेकर भाजपा चुनाव समिति की बैठक और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच गहन विचार-विमर्श हो चुका है।

### ब्यावरा में दो नामों पर विचार

प्रदेश भाजपा ने 3 सीटों पर 2- 2 नाम का पैनल तैयार कर अंतिम फैसले के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भेज दिया है। इनमें ब्यावरा से पूर्व विधायक नारायण सिंह पवार और भाजपा जिलाध्यक्ष दिलवर यादव का नाम है। देरी के कारण अब कार्यकर्ताओं में भी बेचैनी बढ़ने लगी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दिवंगत विधायक गोवर्धन दांगी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने गए थे तो रास्ते में उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन से दो-चार होना पड़ा। कार्यकर्ताओं का एक बड़ा वर्ग किसी युवा प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारने के पक्ष में हैं, ऐसी दशा में दिलवर यादव के नाम पर मुहर लगाई जा सकती है। वे पूर्व मंत्री बद्रीलाल यादव के भतीजे हैं। दूसरी ओर शिवराज सहित कुछ नेता पिछले चुनाव में पराजित हुए पूर्व विधायक नारायण सिंह पवार को एक बार और अवसर देना चाहते हैं।

### जौरा में 3 नाम चर्चा

कांग्रेस विधायक बनवारी लाल शर्मा के निधन से खाली हुई मुरैना जिले की जौरा क्षेत्र के लिए, पिछले चुनाव में तीसरे नंबर पर रहे सूबेदार सिंह के नाम की चर्चा चल रही है। उनके नाम पर शिवराज और क्षेत्र के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की सहमति बताई जा रही है। अपने प्रभाव वाले इस क्षेत्र से ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थक कैलाश मित्तल या हरिओम शर्मा के नाम की हरी झंडी चाहते हैं।

### आगर में ऊंटवाल और रत्नाकर

पूर्व मंत्री मनोहर ऊंटवाल के निधन से खाली हुई अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित आगर सीट से उनके पुत्र मनोज ऊंटवाल को चुनाव लड़ा कर भाजपा सहानुभूति वोट कमाने के फेर में है। पूर्व विधायक गोपाल परमार और भी पुरी ताकत के साथ पार्टी टिकट की जुगत में लगी हुई है। उनके भाई उज्जैन के सांसद अनिल फिरोजिया इसके लिए लॉबिंग कर रहे हैं।

---

## न्यूज गैलरी

### उपचुनाव में 63 लाख से ज्यादा वोटर करेंगे मतदान, जानिए किस विधानसभा में कितने हैं मतदाता

*भोपाल। प्रदेश में 28 सीटों पर होने जा रहे विधानसभा उपचुनाव में कुल मतदाता 63 लाख 51 हजार 867 हैं। इनमें से 33 लाख 73 हजार 402 पुरुष मतदाता, 29 लाख 78 हजार 267 महिला मतदाता एवं 198 अन्य मतदाता हैं। हालांकि वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का काम अभी भी चल रहा है। ऐसे में फाइनल लिस्ट आने पर संख्या और बढ़ सकती है। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अरुण कुमार तोमर ने बताया कि मुरैना जिले की जौरा विधानसभा में 2 लाख 44 हजार 65 मतदाता हैं। इनमें 1 लाख 32 हजार 214 पुरुष, 1 लाख 11 हजार 837 महिला एवं 14 अन्य मतदाता।*

***सुमावली विधानसभा सीट-** 2 लाख 39 हजार 926 मतदाता में से एक लाख 32 हजार 62 पुरुष, 1 लाख 7 हजार 858 महिला एवं 6 अन्य मतदाता हैं। **मुरैना विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 54 हजार 671 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 40 हजार 37 पुरुष, 1 लाख 14 हजार 617 महिला एवं 17 अन्य मतदाता, **दिमनी विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 14 हजार 873 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 17 हजार 543 पुरुष, 97 हजार 325 महिला एवं 5 अन्य मतदाता, **अम्बाह विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 22 हजार 797 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 19 हजार 697 पुरुष, 1 लाख 3 हजार 96 महिला एवं 4 अन्य मतदाता हैं।*

***भिण्ड जिले की मेहगांव सीट-** 2 लाख 60 हजार 899 मतदाता हैं। इनमें 1 लाख 44 हजार 245 पुरुष, 1 लाख 16 हजार 654 महिला मतदाता, **गोहद विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 24 हजार 743 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 22 हजार 696 पुरुष, 1 लाख 2 हजार 11 महिला एवं 36 अन्य मतदाता हैं।*

***ग्वालियर जिले की ग्वालियर सीट-** कुल 2 लाख 88 हजार 674 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 54 हजार 912 पुरुष, 1 लाख 33 हजार 746 महिला एवं 16 अन्य मतदाता, **ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में** कुल 3 लाख 12 हजार 946 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 67 हजार 858 पुरुष, 1 लाख 45 हजार 75 महिला एवं 13 अन्य मतदाता, **डबरा विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 28 हजार 153 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 21 हजार 50 पुरुष, 1 लाख 7 हजार 98 महिला एवं 5 अन्य मतदाता हैं। **दतिया जिले की भांडेर विधानसभा क्षेत्र में** कुल 1 लाख 74 हजार 601 मतदाता हैं, जिनमें 93 हजार 501 पुरुष, 81 हजार 94 महिला एवं 6 अन्य मतदाता हैं।*

***शिवपुरी जिले की करेरा सीट-** कुल 2 लाख 41 हजार 445 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 30 हजार 226 पुरुष, 1 लाख 11 हजार 218 महिला एवं 1 अन्य मतदाता, **पोहरी विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 21 हजार 576 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 19 हजार 346 पुरुष, 1 लाख 2 हजार 227 महिला एवं 3 अन्य मतदाता हैं। **गुना जिले की बमोरी विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 5 हजार 335 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 6 हजार 999 पुरुष, 98 हजार 336 महिला मतदाता हैं।*

***अशोक नगर जिले की अशोक नगर सीट-** कुल 1 लाख 96 हजार 527 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 3 हजार 814 पुरुष, 92 हजार 707 महिला एवं 6 अन्य मतदाता और **मुंगावली विधानसभा क्षेत्र में** कुल 1 लाख 92 हजार 115 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 2 हजार 666 पुरुष, 89 हजार 442 महिला एवं 7 अन्य मतदाता हैं।*

***सागर जिले की सुरखी सीट-** कुल 2 लाख 5 हजार 395 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 11 हजार 697 पुरुष, 93 हजार 685 महिला एवं 13 अन्य मतदाता हैं। **छतरपुर जिले की मलहरा विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 13 हजार 535 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 14 हजार 968 पुरुष, 98 हजार 558 महिला एवं 9 अन्य मतदाता हैं। **अनूपपुर जिले की अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र में** कुल 1 लाख 69 हजार 70 मतदाता हैं, जिनमें 86 हजार 731 पुरुष, 82 हजार 336 महिला एवं 3 अन्य मतदाता हैं।*

***रायसेन जिले की सांची सीट-** कुल 2 लाख 40 हजार 775 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 28 हजार 374 पुरुष, 1 लाख 12 हजार 392 महिला एवं 9 अन्य मतदाता हैं। **राजगढ़ जिले की ब्यावरा विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 25 हजार 322 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 15 हजार 989 पुरुष, 1 लाख 9 हजार 332 महिला एवं 1 अन्य मतदाता हैं। **आगर मालवा जिले की आगर विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 16 हजार 266 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 11 हजार 926 पुरुष, 1 लाख 5 हजार 335 महिला एवं 5 अन्य मतदाता हैं।*

***देवास जिले की हाटपिपल्या सीट-** कुल 1 लाख 91 हजार 439 मतदाता हैं, जिनमें 98 हजार 644 पुरुष, 92 हजार 792 महिला एवं 3 अन्य मतदाता हैं। **खण्डवा जिले की मांधाता विधानसभा क्षेत्र में** कुल 1 लाख 96 हजार 415 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 1 हजार 826 पुरुष, 94 हजार 586 महिला एवं 3 अन्य मतदाता हैं। **बुरहानपुर जिले की नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में** कुल 2 लाख 40 हजार 743 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 23 हजार 374 पुरुष, 1 लाख 17 हजार 365 महिला एवं 4 अन्य मतदाता हैं।*

---

# तितलियों की विविध प्रजातियों को देख रोमांचित हुए प्रतिभागी

**तितलियों को जानिए विषय पर नेचर कैम्प आयोजित**

**भोपाल।** राज्य-स्तरीय वन्य-प्राणी सप्ताह-2020 के चौथे दिन प्रथम बार तितलियों को जानिए विषय पर आयोजित नेचर कैम्प में यूथ हॉस्टल, लेक सिटी यूनिट, वीएनएस रूप, कैमरा क्लब इंदौर एवं भोपाल के प्रतिभागी तितलियों की विभिन्न प्रजातियों को देख कर रोमांचित हो उठे। इनमें तितलियों की प्रमुख प्रजाति कॉमन टाइगर, स्ट्रिप्ड टाइगर, ब्लू टाइगर, कॉमन ग्रास यलो, ग्रे पेनसी एवं कॉमन इण्डियन आदि प्रतिभागियों के लिये आकर्षण का केन्द्र रहीं। स्रोत व्यक्ति के रूप में श्री शुभरंजन सेन, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. संगीता राजगीर एवं मो. खालिक ने प्रतिभागियों को तितलियों की प्रजाति एवं उनकी विशेषताओं की जानकारी दी। इसी दिन एक अन्य कार्यक्रम में विहार वीथिका में वन विहार कैम्प में शामिल प्रतिभागियों द्वारा एनीमल कीपर एवं स्टाफ के साथ परिचर्चा की गई। इसमें 48 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एनीमल कीपर्स द्वारा प्रतिभागियों को भालू, बाघ, तेंदुआ, गौर, हायना एवं सर्पों की देखभाल और उनके भोजन, उपचार आदि के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर संचालक वन विहार श्रीमती कमलिका मोहंता एवं सहायक संचालक श्री ए.के. जैन ने पक्षियों, तितलियों एवं वन्य-प्राणियों के संबंध में प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया एवं भ्रांतियों को दूर कर उन्हें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही करवा स्थित गिद्ध प्रजनन एवं संरक्षण केन्द्र के प्रभारी डॉ. रोहन श्रृंगारपुरे ने मध्यप्रदेश में पाई जाने वाली गिद्धों की प्रजातियों के संरक्षण, संवर्धन एवं गिद्धों की मानव जीवन में उपयोगिता के संबंध में प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।जस्ट ए मिनट ऑनलाइन प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग की 85 एवं सीनियर वर्ग की 80 प्रविष्टियों का मूल्यांकन निर्णायकों द्वारा किया गया।

---

# बच्चों के साथ खेल रहे 13 साल के लड़के को फांसी लगी, पिता तुरंत अस्पताल ले गए; डॉक्टर ने कहा- मौत हो चुकी है

**बच्चों की आवाज सुनकर पिता मौके पर पहुंचे तो बेटा फंदे पर लटका था**

**पुलिस को हादसे की आशंका, अभी सुसाइड के साक्ष्य या कारण नहीं मिले**

*नव प्रदेश संवाददाता*

**भोपाल।** कोलार इलाके में 13 साल के एक लड़के की फांसी लगने से मौत हो गई। हादसे के वक्त वह बच्चों के साथ खेल रहा था। बच्चों का शोर सुनते ही मौके पर पिता पहुंचे और बेटे को अस्पताल ले गए, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। कोलार पुलिस के अनुसार, बोरदा गांव निवासी पूरन आदिवासी प्राइवेट जॉब करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम उनका 13 वर्षीय बेटा राघवेंद्र दूसरे बच्चों के साथ बाहर खेल रहा था। इसी दौरान बच्चों ने चिल्लाना शुरू कर दिया। सभी राघवेंद्र का नाम ले रहे थे। किसी आशंका के चलते दौड़कर वहां पहुंचा तो राघवेंद्र फंदे पर लटका मिला। उसे तत्काल जेपी अस्पताल ले गए, तब तक काफी देर हो चुकी थी। टीआई कोलार सुधीर अरजरिया ने बताया कि घटनास्थल से किसी तरह के सुसाइड के कारण या साक्ष्य नहीं मिले हैं। अब तक की जांच में ऐसा लगता है, जैसे बच्चा खेल-खेल में फंदे पर लटक गया होगा। घटना कैसे और किन परिस्थितियों में हुई इसके लिए वहां खेल रहे बच्चों के बयान दर्ज किए जाएंगे। क्योंकि सभी नाबालिग हैं, इसलिए उनसे काउंसलर के जरिए पूछताछ की जाएगी।

टीआई ने बताया कि भोपाल में इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। बच्चों के खेलने के दौरान उन पर नजर रखना जरूरी होता है। बच्चे अधिक ऊंचाई पर ना चढ़ें। गले में किसी भी तरह की रस्सी, दुपट्टा, साड़ी या अन्य चीजें ना डालें। ना ही गले में डालकर वह यहां वहां भागें। इसके अलावा माचिस समेत अन्य चीजों जैसे इलेक्ट्रॉनिक आइटम भी बच्चों की पहुंच से दूर होना चाहिए। या इन्हें सुरक्षा कवच के साथ रखना चाहिए। बच्चों के द्वारा किसी भी तरह की लापरवाही करने पर उन्हें समझाइश देना भी जरूरी है।

---

# हर किसान को दिलाया जाएगा फसल बीमा कंपनियों से पूरा न्याय

## किसानों को पर्याप्त मात्रा में मिलेगा यूरिया, प्रत्येक बाढ़ पीड़ित को मिलेगी राहत राशि

**मुख्यमंत्री चौहान ने फसल बीमा क्लेम की समीक्षा की**

**भोपाल ।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के हर किसान को फसल बीमा कंपनियों से पूरा न्याय दिलाया जाएगा। प्रदेश के ऐसे किसान, जिन्हें फसल बीमा दावा राशि नहीं मिली है अथवा कम मिली है, उन सबका पक्ष बीमा कंपनियों के सामने सरकार मजबूती से रखेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर इस संबंध में भारत सरकार से बातचीत भी की जाएगी। प्रत्येक किसान की बीमित फसल की पूरी दावा राशि उन्हें दिलाई जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक बाढ़ पीड़ित को शीघ्र ही राहत राशि भी दिलवाई जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा के इस बार अच्छी बारिश हुई है। अतः किसान जल्दी बुवाई कर सकते हैं। ऐसे में उन्हें समय पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी। इस संबंध में उन्होंने केंद्र सरकार के उर्वरक मंत्री श्री सदानंद गौड़ा तथा कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात कर अनुरोध किया है। अतः प्रदेश को पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध हो जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में प्रदेश के किसानों को बीमा कंपनियों से प्राप्त दावा राशि के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ले रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, प्रमुख सचिव कृषि श्री अजीत केसरी आदि उपस्थित थे।

### कलेक्टर्स से सूची प्राप्त करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कई जिलों से शिकायतें आई हैं कि कुछ किसानों को या तो दावा राशि प्राप्त नहीं हुई है अथवा उनको हुए नुकसान के अनुपात में वह काफी कम है। इस संबंध में प्रत्येक जिले में पुनः परीक्षण कर कलेक्टर के माध्यम से सूची प्राप्त करें तथा प्राप्त सूची अनुसार संबंधित बीमा कंपनी के समक्ष पुनः बीमा दावा प्रस्तुत करें। हर किसान को न्याय मिलना चाहिए।

### यूरिया का आवंटन 22 लाख मीट्रिक टन किया जाए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि गत दिनों उन्होंने नई दिल्ली में केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री डी.वी. सदानंद गौड़ा से मुलाकात कर अनुरोध किया था कि मध्यप्रदेश के लिए यूरिया का आवंटन 18 लाख मीट्रिक टन (एक लाख मीट्रिक टन रिजर्व) को बढ़ाकर 22 लाख मीट्रिक टन किया जाए। रबी 2020-21 में प्रदेश में पर्याप्त बारिश होने से गेहूँ के क्षेत्रफल में गत वर्ष की तुलना में 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र वृद्धि की संभावना है। प्रमुख सचिव श्री अजीत केसरी ने बताया कि खरीफ 2018 में प्रदेश में कुल 8 लाख 94 हजार 919 किसानों को दावा राशि 1987 करोड़ 27 लाख रूपये का भुगतान किया गया। रबी 2018-19 में बीमा कंपनियों द्वारा दावा राशि 710 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया।

---

# रुलाने लगा प्याज, भाव 40 रुपए किलो तक पहुंचे

*नव प्रदेश संवाददाता*

**भोपाल।** राजधानी में प्याज की कीमतें फिर से आसमान छूने लगी हैं। अच्छी गुणवत्ता का प्याज थोक में 30 तो फुटकर में 40 रुपये किलो तक बिक रहा है। महज एक पखवाड़े में कीमतें दोगुनी हुई हैं। थोक कारोबारी आवक को भाव बढ़ने का कारण बता रहे हैं। उनकी मानें तो महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से भोपाल में प्याज की आवक होती है, पर बारिश से स्टॉक में रखा प्याज बड़ी मात्रा में सड़ गया। इससे प्रतिदिन औसत 100 टन तक होने वाली आवक 30 से 40 टन पर ही सिमटकर रह गई है। मांग एवं आपूर्ति में अंतर आने से भाव में भी उछाल आया है। बता दें कि मप्र के मालवा-निमाड़ क्षेत्र में प्याज की अच्छी पैदावार होती है। पिछले साल प्याज के भाव 150 रुपये किलो तक पहुंच चुके थे। इस कारण क्षेत्र के कई किसानों ने स्टॉक जमा कर रखा है। प्याज महंगा होने की एक वजह यह भी है।

### ये बड़े उत्पादक जिले

इंदौर, शाजापुर, आगर-मालवा, राजगढ़, रतलाम, उज्जैन, धार, खंडवा, छिंदवाड़ा, सीहोर, देवास, शिवपुरी, सतना, रीवा आदि बड़े उत्पादक जिले हैं। यहां से मप्र समेत दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में सप्लाई किया जाता है। बांग्लादेश समेत अन्य विदेशों में भी प्याज पहुंचाया जाता है।

बारिश के कारण प्याज खराब हो गया। इस कारण आवक घट गई है। पहले 10 गाड़ी प्याज आ रहा था। अब तीन-चार गाड़ी प्याज की आवक है। इस कारण अच्छी क्वालिटी के प्याज के थोक भाव 30 रुपये किलो तक हैं। **- मोहम्मद नसीम खान, अध्यक्ष थोक सब्जी विक्रेता कल्याण संघ करोंद मंडी भोपाल**

---

**उपचुनाव** | **खुला वादों का पिटारा**

# तो क्या 2018 के फर्मूले से उपचुनाव में जीत दर्ज करने की तैयारी में है कांग्रेस?

*नव प्रदेश संवाददाता*

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में होने जा रहे उपचुनाव को लेकर कांग्रेस एक बार फिर 2018 का फार्मूला अपनाने की तैयारी कर रही है। जिस तरह 2018 के विधानसभ चुनाव के दौरान कांग्रेस ने घोषणा पत्र की जगह वचन पत्र जारी किया था और उसी वचन पत्र के दम पर प्रदेश की सत्ता हासिल की थी। ठीक उसी तरह कांग्रेस इस बार के उपचुनाव के लिए 28 सीटों के मुद्दों को लेकर मिनी वचन पत्र घोषित करने जा रही है। यही नहीं कांग्रेस पार्टी ने हर विधानसभा सीट के जमीनी और मूलभूत मुद्दों को लेकर ये मिनी वचन पत्र तैयार किया है। हर सीट के हिसाब से मध्य प्रदेश कांग्रेस ने 28 मिनी वचन पत्रों के जरिये लोगों को लुभाने की कोशिश की है। उपचुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद कांग्रेस की ओर से इसे जीत की रणनीति की कवायद कहा जा रहा है।

### इन मुद्दों पर दिया खास फोकस

कांग्रेस पार्टी उपचुनाव में वचन गान बनाने जा रही है। पार्टी का मानना है कि, ये तरीका लोगों को वचन पत्र याद रखवाने और लुभाने में अहम साबित होगा। कांग्रेस ने विधानसभा वार वचन पत्र का तैयार किया है, जिसमें कृषि और किसान, सिंचाई, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, पेयजल, सड़क पुल, उद्योग, रोजगार, पर्यटन, संस्कृति, प्रशासनिक से लेकर न्य वचन का सारांश भी पेश किया जा रहा है। यानी दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस ने लोगों के सामने उपचुनाव से पहले अपने वादों का पिटारा खोल दिया है।

### मिनी वचन पत्र में की गईं ये घोषणाएं

कांग्रेस द्वारा तैयार किये गए मिनी वचन पत्र में पूर्व मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ कमलनाथ की ओर से घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली 100 रूपये बिल में देने का वादा किया है। कर्मचारियों के बकाया डीए और वेतन वृद्धि जारी करने के लेकर अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण का वादा किया है। गौशालाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की तर्ज पर गौ धन सेवा योजना शुरू करने और गौ सेवकों की सेवाएं लेने का भी वादा किया है। कोरोना संक्रमण को राजकीय आपदा घोषित करने का भी ऐलान किया है। कांग्रेस ने अपने वचन पत्र का नाम कांग्रेस के सवा साल जनता खुशहाल दिया है। साथ ही, कांग्रेस इस वचन पत्र में दावा भी कर रही है कि, आपके सपने होंगे साकार, फिर बनेगी कमलनाथ सरकार।

### वचन पत्र को गया था 2018 की जीत का श्रेय

दरअसल, साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत का मास्टर स्ट्रोक वचन पत्र ही साबित हुआ था। यही कारण है, उसी फार्मूले को अपनाते हुए कांग्रेस मिनी वचन पत्र के सहारे उपचुनाव में बीजेपी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरना चाहती है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि, स्थानीय स्तर पर ये मिनी वचन पत्र कांग्रेस के लिए कितना फायदेमंद साबित होगा।

## संपादकीय

# बिहार चुनाव : जोड़ तोड़ शुरू

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही राजनीतिक सरगर्मिया तेज हो गई है। बिहार में सत्तारूढ़ जदयू और भाजपा की गठबंधन सरकार के लिए लोक जनसक्ती पार्टी ने सीटों के बंटवारे को लेकर तिखे तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि लोजपा को भाजपा अपने कोटे से सीटें देती है। भाजपा ने लोजपा के लिए 15 सीटें देने का प्रस्ताव किया है लेकिन लोजपा 75 सीटों की मांग पर अड़ गई है। लोजपा सुप्रीमों रामविलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान ने अधिक सीटों की मांग करते हुए कहा है कि लोजपा को सम्मानजनक सीटें मिलनी ही चाहिए। लोजपा ने 75 उम्मीद्वारों की सूची भी तैयार कर ली है। रामविलास पासवान अस्वस्थ्य है इस वजह से लोजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक टल गई है। जब भी यह बैठक होगी तब पता चलेगा कि लोजपा कम सीटों पर तैयार होती है या एनडीए से अलग होकर अपनी पृथक राह चुनती है। वैसे भी इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी के लिए राह आसान नहीं है। ऐसी स्थिति में यदि लोजपा बगावत पर उतर जाती है तो जदयू और भाजपा गठबंधन की मुश्किलें और बढ़ सकती है। दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल ने सीटों का बंटवारा कर लिया है। उसने कांग्रेस के लिए 75 सीटें छोड़ी है जबकि माकपा और भाजपा को भी दो दर्जन से ज्यादा सीटें दी है। इस महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर ज्यादा विवाद की स्थिति पैदा नहीं हुई है। यद्यपि लालू यादव के जेल में होने के कारण राष्ट्रीय जनता दल को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उनके पुत्र तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव राजनीतिक रूप से अभी उतने परिपक्व नहीं हुए है लेकिन बिहार में राष्ट्रीय जनता दल का मजबूत जनाधार है। रही बात कांग्रेस की तो उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। महागठबंधन का हिस्सा बनकर वह कुछ पा जरूर सकती है। बहरहाल बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार जमकर घमासान देखने को मिलेगा और जैसे-जैसे चुनाव की तिथि नजदिक आते जाएगी राजनीतिक सरगर्मियां और तेज होती जाएगी। आरोप प्रत्यारोप का दौर भी चलेगा और उसके बाद ही पता चल पाएगा कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में ऊंट किस करवट बैठेगा।

## विचार

# हाथरसः योगी की परीक्षा

हाथरस में हुए बलात्कार के कारण देश में वैसा ही रोष पैदा हो रहा है, जैसा कि निर्भया-कांड के समय हुआ था। बल्कि मैं तो यह कहूंगा कि निर्भया-कांड से भी अधिक दुखद और भयंकर स्थिति का निर्माण हो रहा है। यदि यह कोरोना महामारी का वक्त नहीं होता तो लाखों लोग सारे देश में सड़कों पर निकल आते और सरकारों को लेने के देने पड़ जाते। यह ठीक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मुस्तैद किया है और योगी ने तुरंत सारे मामले की जांच के लिए विशेष कमेटी बिठा दी है लेकिन सारे मामले में हाथरस की पुलिस और डाक्टरों के रवैए ने सरकार की प्रतिष्ठा को भी दांव पर लगा दिया है। पुलिस और सूचना विभाग के कुछ अधिकारियों के विरुद्ध भी कुछ कार्रवाई हुई है लेकिन राहुल गांधी

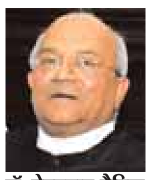

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

और प्रियंका गांधी के साथ पुलिस अधिकारियों ने जो बर्ताव किया, उसके कारण इन दोनों भाई-बहनों की छवि तो चमकी ही, प्रशासन के रवैए पर भी कई प्रश्न चिन्ह भी लग गए। सबसे पहले तो यही प्रश्न उठा कि एक सप्ताह तक इस बलात्कार की शिकायत पुलिस ने दर्ज क्यों नहीं की ? स्थानीय अस्पताल ने उस युवती के इलाज में इतनी लापरवाही क्यों बरती ? दिल्ली के एक अस्पताल में उसका निधन हो जाने पर पुलिस ने उसकी लाश को रात में ही फूंक डाला और उसके परिवार से कोई सहमति तक नहीं ली गई। किस डर के मारे पुलिस ने यह अमानवीय खटकरम कर डाला ? सबसे शर्मनाक बात यह हुई कि पीड़िता की जांच के बाद कहा जा रहा है कि उसके साथ बलात्कार के कोई प्रमाण नहीं मिले। उस युवती ने खुद बलात्कार की बात कही और उन नर-पशुओं के नाम बताए। क्या मरने के पहले उसने जो बयान दिया, उस पर संदेह किया जा रहा है ? उन नर-पशुओं ने उस युवती की कमर की हड्डी तोड़ दी, जुबान काट ली और उसके अधमरे शरीर को उसके दुपट्टे से घसीटा गया। उसकी लाश पर घासलेट डालकर उसको जला दिया गया और उसकी अस्थियां अभी तक वहीं पड़ी हुई हैं। उसके परिवार को नजरबंद कर दिया गया। उनके मोबाइल फोन पुलिसवालों ने जब्त कर लिए, ताकि वे बाहर के लोगों से बात न कर सकें। उस परिवार से किसी भी पत्रकार को नहीं मिलने दिया जा रहा है। एबीपी चैनल के कई पत्रकारों ने गज़ब का दमगुर्दा दिखाया है। प्रतिमा मिश्रा, रुबिका लियाकत, अंजलि और केमरामेन मनोज अधिकारी के लाख प्रयत्नों के बावजूद उन्हें उस परिवार के पास नहीं जाने दिया गया। पुलिसवालों ने बहाना बनाया कि जांच कमेटी काम कर रही है। इसीलिए न तो पत्रकारों को वहां जाने दिया गया और न ही परिवार के किसी सदस्य को बाहर आने दिया गया। ऐसा लगता है कि हाथरस की पुलिस और प्रशासन स्वयंभू है, संप्रभु है, सर्वोच्च है। यह स्थिति उप्र सरकार की प्रतिष्ठा को धूमिल कर रही है। यदि योगी सरकार अपनी घोषणा के मुताबिक अपनी पुलिस के खिलाफ अत्यंत सख्त कदम नहीं उठाएगी तो वह न सिर्फ अपने लिए खतरा पैदा कर लेगी बल्कि सारी भाजपा सरकारों के भविष्य को खटाई में डाल देगी। यह योगी की सबसे गंभीर परीक्षा का समय है। योगी से आशा की जाती है कि वे बलात्कारियों और पुलिस के विरुद्ध इतनी सख्त कार्रवाई करेंगे कि वह दूसरे मुख्यमंत्रियों के लिए मिसाल बन जाए।

# न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर अन्नदाता को गुमराह होने की जरूरत नहीं

**कैलाश चौधरी**
केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री

> इन कृषि उत्पादों के भंडारण प्रसंस्करण व मूल्यवर्धन के लिए अब निजी निवेशक आगे आएंगे, जिससे किसानों को इन उत्पादों का बेहतर व लाभकारी मूल्य मिलेगा। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि बागवानी उत्पादों की खेती जिन क्षेत्रों में होती है वहां की मंडियों में कीमतें कम होती हैं, जबकि उपभोक्ता बाजार में फल व सब्जियां ऊंचे भाव पर बिकती हैं। दरअसल उत्पादक से उपभोक्ता के बीच की जो कड़ियां हैं, उनमें कई सारे बिचैलिये होते हैं जो मोटा मुनाफा कमाते हैं जबकि किसानों को कम दाम मिलता है। सरकार ने इन बिचैलियों को सप्लाई चेन से हटाने के लिए ही ये कानूनी बदलाव किए हैं जिसके बाद अब किसान सीधे थोक व्यापारी, फुटकर व्यापारी व प्रसंस्करणकर्ताओं को अपने उत्पाद बेच सकते हैं। इससे किसानों को उनकी फसलों का उचित व लाभकारी दाम दिलाना सुनिश्चित होगा।

कोरोना महामारी के संकट के समय पूरे देश का पेट भरने की योग्यता साबित करने वाले अन्नदाता को उनकी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर गुमराह होने की जरूरत नहीं है। केन्द्र सरकार के हर फैसलों में किसानों का हित सर्वोपरि होता है, क्योंकि सरकार का मानना है कि किसान समृद्ध होगा तो देश समृद्ध होगा। इसलिए एमएसपी को हटाने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आने के बाद एमएसपी पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जिससे किसानों को फसलों की लागत पर 50 फीसदी से ज्यादा लाभ के साथ एमएसपी मिलना सुनिश्चित हुआ है।

केन्द्र सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि कोरोना काल में भी एमएसपी पर गेहूं की रिकॉर्ड खरीद हुई है। इसके अलावा दलहनी और तिलहनी फसलों की भी एमएसपी पर खरीद कर सरकार ने किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाया। अबकी बार खरीफ सीजन में तय समय से पहले ही धान की खरीद शुरू हो चुकी है जबकि कुछ फसलों की एमएसपी पर खरीद 1 अक्टूबर से शुरू होने जा रही है। किसानों को उनकी फसलों का बेहतर व लाभकारी दाम मिले इसके लिए सरकार प्रयासरत है और इसी मकसद से नये कानून के जरिए कृषि क्षेत्र में सुधार के कार्यक्रमों को लागू करने का मार्ग आसान बनाया गया है। किसानों की आमदनी 2022 तक दोगुनी करने के लक्ष्य को लेकर चल रही यह सरकार ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगी जो अन्नदाता की समृद्धि के मार्ग में बाधक बने।

किसानों को आर्थिक आजादी दिलाने और उनकी समृद्धि की कामना से केन्द्र सरकार कोरोना काल में कृषि क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव के मकसद से तीन अहम फैसले लेते हुए तीन अध्यादेश लेकर आई थी, जिन्हें संसद के मानसून सत्र में विधेयक के रूप में पेश किया गया और संसद की मुहर लगने के बाद महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी के हस्ताक्षर के साथ अब ये कानून बन गए हैं।

इससे कृषि उत्पादों के विपणन के लिये न सिर्फ एक देश एक बाजार का वर्षो से संजोये सपने को केन्द्र सरकार ने साकार किया है तथाकृषि को उद्योग का दर्जा दिलाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया है। किसान अब अपनी उपज का दाम खुद तय कर पायेंगे। ऐसे में अब उन्हें एमएसपी को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। वर्ष 2014-15 में गेहूं, ज्वार, मूंग, सूर्यमुखी, राम तिल और नारियल के एमएसपी से तुलना करें तो 2020-21 में इन फसलों के एमएसपी में 525 रुपये से लेकर 4,800 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा हुआ है। इसी प्रकार, अन्य फसलों के एमएसपी में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। एमएसपी में यह वृद्धि केन्द्र सरकार के कार्यकाल के दौरान हुई है।

कोरोना काल में केंद्र सरकार के प्रयासों से रबी सीजन की फसलों की खरीद की समुचित व्यवस्था करने के लिए खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई जिससे गेहूं की रिकॉर्ड खरीद हुई और अन्य फसलों की खरीद के परिमाण में भारी इजाफा हुआ। देशभर में सरकारी एजेंसियों ने बीते रबी खरीद सीजन में 389.85 लाख टन गेहूं सीधे किसानों से खरीदा जोकि अब तक का रिकॉर्ड स्तर है, इसके लिए किसानों को 75,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। धान की खरीद में 2014-15 के मुकाबले 2019-20 में करीब 80 फीसदी का इजाफा हुआ है।

केंद्र सरकार निरंतर किसानों के हित में कार्य कर रही है। इस साल 2019-20 में गेहूं, धान, दलहन और तिलहन फसलों को मिलाकर किसानों को 2,19,234 करोड़ रुपये न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के रूप में भुगतान किया गया है। यह भुगतान राशि 2014-15 की तुलना में 120 फीसदी ज्यादा है। वर्ष 2014-15 कुल 99,653 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

फसलों का एमएसपी किसानों को दिलाने की आवश्यकता तब होती है जब किसानों को उनके उत्पादों का उचित दाम नहीं मिलता है। लेकिन जब किसान खुद अपने उत्पादों का मूल्य तय करेगा तो फिर उन्हें एमएसपी की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। केन्द्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाने वाले एमएसपी के मसले पर किसानों को गुमराह कर अपनी खिसकती राजनीतिक जमीन को बचाने की जुगत में हैं। इसलिए किसानों को गुमराह होने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अगुवाई में सरकार ने कृषि से जुड़े जो तीन कानून बनाए हैं उनका एक ही मकसद है कि किसानों को उनके उत्पादों का अधिकतम लाभकारी दाम मिले जिससे उनके जीवन में खुशहाली आए।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण की विषम परिस्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार ने जब प्रभावी कदम उठाया था उस समय देश में रबी फसलों की कटाई चल रही थी और ग्रीष्मकालीन फसलों की बुवाई का सीजन था। इसलिए, सरकार ने फसलों की बुवाई कटाई, परिवहन, विपणन को पूर्णबंद से मुक्त रखा। लेकिन देश के विभिन्न हिस्सों में कृषि उपज विपणन समिति (एमएसपी) द्वारा संचालित जींस मंडियां बंद रहने से किसानों की कठिनाइयां बढ़ गई। वे अपनी अपनी फसल बेच नहीं पा रहे थे। लिहाजा, सरकार ने अध्यादेश के जरिए किसानों को देश में कहीं भी और किसी को भी फसल बेचने की आजादी देते हुए ज्एक देश एक कृषि उत्पाद बाजारज् के उनके सपने को साकार किया।

देश में जब फसलों के भंडारण, परिवहन, प्रसंस्कारण समेत मूल्यवर्धन श्रृंखला दुरुस्त होगी तो किसानों को फसलों का बेहतर दाम मिलेगा। आज सिर्फ 22 अनुसूचित फसलों के लिए एमएसपी का निर्धारण किया जाता है जबकि केन्द्र सरकार चाहती है कि तमाम कृषि एवं बागवानी फसलों का किसानों को लाभकारी मूल्य मिले। इसी मकसद से दशकों पुराने कानून (आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955) में संशोधन किया गया है और दो ऐसे कानून बनाये गये हैं जिससे किसान बेरोक-टोक अपनी फसल देश में कहीं भी बेच सकता है। साथ ही किसानों को खेती करने से पहले ही दाम मिलने का भरोसा होगा, इसके लिए अनुबंध पर खेती करने का प्रावधान किया गया है। ***(लेखक कैलाश चौधरी केंद्र सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री हैं और इस आलेख में उनके निजी विचार हैं।)***

# दुश्मन के लिए बेहद घातक है पिनाक

**योगेश कुमार गोयल**

> पिनाक के जरिये बेहद सटीक तरीके से दुश्मन के बंकर तबाह किए जाने के कारण पाकिस्तानी सैनिक उन बंकरों से बाहर निकलने को विवश हुए थे, जिसके बाद भारतीय सेना ने उन्हें भून डाला था। कारगिल युद्ध में पिनाक की बड़ी सफलता के बाद इसे बड़ी संख्या में भारतीय सेना में शामिल कर लिया गया। पिनाक वैपन सिस्टम के उन्नत संस्करण 'पिनाक एमके-2' में विशिष्ट गाइडेंस किट लगाई गई है, जो एडवांस नेविगेशन तथा कंट्रोल सिस्टम से लैस है। इसका नेविगेशन 'इंडियन रीजनल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम' (आईआरएनएसएस) के जरिये किया जाता है, जिसे 'नाविक' भी कहा जाता है।

## लंबी दूरी पर छोटे से छोटे टारगेट को हिट कर सकती है पिनाक

एलएसी पर जहां दोनों देशों की सेनाओं और हथियारों का जमावड़ा बढ़ रहा है, वहीं चीनी चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारत द्वारा निरन्तर बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। चीन के साथ चल रहे टकराव के बीच अब सेना द्वारा देश की उत्तरी तथा पूर्वी सीमाओं पर छह पिनाक रॉकेट रेजीमेंट बनाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसी के तहत डीआरडीओ द्वारा पिनाक रॉकेट और लांचरों का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन 6 पिनाक रेजीमेंट्स में 114 लांचर तैनात होंगे, जिसके लिए टीपीसीएल तथा एलएंडटी से ऑटोमेटेड गन एमिंग एंड पोजिशनिंग सिस्टम और 45 कमांड पोस्ट्स खरीदे जाएंगे। इसके अलावा 330 वाहन बीईएमएल से खरीदे जाएंगे। पिनाक रॉकेट तथा लांचरों के बड़े स्तर पर उत्पादन की प्रक्रिया शुरू करने के बारे में डीआरडीओ अध्यक्ष डा. जी सतीश रेड्डी का कहना है कि पिनाक रॉकेट सिस्टम सेनाओं की आवश्यकता को पूरा करने में लंबा रास्ता तय करेगा। पिनाक रॉकेट को मल्टी-बैरल रॉकेट लांचर से छोड़ा जाता है, जो महज 44 सैकेंड के भीतर 12 पिनाक रॉकेट दागने में सक्षम है। पिनाक सिस्टम की एक बैटरी में छह लांच व्हीकल होते हैं, साथ ही लोडर सिस्टम, रडार और नेटवर्क सिस्टम से जुड़ी एक कमांड पोस्ट होती है। एक बैटरी के जरिये एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पूरी तरह ध्वस्त किया जा सकता है। डीआरडीओ द्वारा कुछ ही माह पहले पूर्ण स्वदेशी तकनीक से निर्मित 'पिनाक' रॉकेट मिसाइल का सफल परीक्षण किया जा चुका है। 'पिनाक एमके-2 रॉकेट' को ही डीआरडीओ द्वारा पिनाक मिसाइल के रूप में परिष्कृत गया है, जिसकी सटीकता और रेंज में बढ़ोतरी करने के लिए उसमें नौसंचालन, नियंत्रण तथा दिशा-प्रणाली जोड़ी गई हैं। इस

मिसाइल की नौसंचालन प्रणाली को भारतीय क्षेत्रीय नौसंचालन उपग्रह प्रणाली से भी मदद मिलती है और इसकी ट्रैकिंग रडार, टेलीमेट्री तथा इलैक्ट्रो-ऑप्टिकल टारगेटिंग प्रणाली से की जाती है। यह मिसाइल दुश्मन की उन मिसाइलों को निशाना बनाने में भी कारगर साबित होगी, जो नजदीक आकर अचानक गायब हो जाती हैं। यह लंबी दूरी पर अपने छोटे से छोटे टारगेट को भी हिट कर सकती है। पिनाक मिसाइल के उन्नत संस्करण को विकसित करने में आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीईई), अनुसंधान केन्द्र इमारत (आरसीआई), रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई) तथा उच्च उर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिनाक ऐसी आर्टिलरी मिसाइल प्रणाली है, जो पूरी सटीकता के साथ दुश्मन के इलाके में 75 किलोमीटर तक मार कर सकती है।

रॉकेट दागने के लिए भारत के पास पहले 'ग्राड' नामक रूसी सिस्टम हुआ करता था। डीआरडीओ द्वारा 1980 के दशक में उसी के विकल्प के तौर पर भगवान शिव के धनुष 'पिनाक' के नाम पर पिनाक रॉकेट सिस्टम विकसित करना शुरू किया गया था। पिनाक मिसाइल 'पिनाक गाइडेड रॉकेट लांच सिस्टम' का अपग्रेड संस्करण है। सतह से हवा में मार करने वाली यह मिसाइल मैदानी तथा अर्द्ध-रेगिस्तानी इलाकों में सैन्य टुकड़ियों की रक्षा में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान देगी। मिसाइल परीक्षण के दौरान इस मिसाइल से 44 सैकेंड के भीतर कुल 12 गाइडेड रॉकेट दागे गए थे और सभी निशाने पूरी तरह अचूक रहे। भारत में वर्ष 1986 में पिनाक वैपन सिस्टम का निर्माण शुरू किया गया था और इसके प्रारंभिक प्रारूप का विकास डीआरडीओ द्वारा वर्ष 1995 में किया गया था। शुरूआती दौर में इसे दुश्मन की सेना के एयर टर्मिनल (वायुयान पत्तन) तथा संचार केन्द्र को ध्वस्त करने हेतु विकसित किया गया था, जिसे बाद के वर्षों में बहुउद्देशीय रॉकेट प्रणाली के रूप में विकसित किया गया और अब इसी रॉकेट प्रणाली को मिसाइल के रूप में विकसित किया गया है। वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने पिनाक एमके-1 संस्करण का इस्तेमाल किया था, जिसने पहाड़ की चोटियों पर तैनात पाकिस्तानी चौकियों को बड़ी सटीकता के साथ निशाना बनाते हुए उन्हें तबाह किया था।

## पाठकों की बात

### पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

### सपने पंखों में समेट लें, उड़कर

सपने पंखों में समेट लें, उड़कर आसमान देख लें, बनकर सुगंध फूलों की, कुछ देर यूं ही महक लें, मन से मन तक पहुंच आज, बिन शब्दों के सब कुछ कह लें।
**मधु शर्मा कटिहा**

### हम आसान लोग हैं.... इस लिए लिख

हम आसान लोग हैं.... इस लिए लिख कर दूसरों के लिए आसान बन जाते हैं। इससे बेहतर कोई तरीका नहीं जिससे अपने सुख दुख की बही रखी जा सके। ख़ाली हुआ जा सके खलका जा सके मौन रहा जा सके।

**कल्पना पाण्डेय**

खास पाती

### किसी भी रिश्तें में मौन

किसी भी रिश्तें में मौन होना कभी-कभी उसकी कमजोरी नही होती बल्कि कभी एक वक्त जिन रिश्तों के एहसासों को जिया वहाँ वक्त के साथ उस रिश्ते में बदलाव-या स्वयं को उनसे दरकिनार करना उन बीतें लम्हों को सोचना, समझना औ स्वयं को देखना जहाँ शब्द नही होते बस खामोशी औ ये खामोशी किसी भी रिश्ते को तमाशा बनने से बचाती हुई स्वयं को आगे ले जाना है!! **नंदिता तनूजा**

### दिल मेरा यूँ न फिसला होता

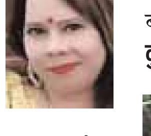

दिल मेरा यूँ न फिसला होता ! मयकदे में जो तू न मिला होता! रात भर जलती न शमा यूँ ही! जज़्बाते मोम जो न पिघला होता! चाँदनी खिले न कायनात में! चाँद रातों में जो न जला होता! सूख जाते गुल गुलदानों में! अहसासे इश्क़ जो न खिला होता! हँसते गैर संग न जमाने में! नजर अंदाज तेरा न गिला होता! महकते हर्फ़ न यूँ किताबों के गज़ल का जो तू न मतला होता!! मुस्काती किरण भी गुलखारों में! इक संग तेरा जो न मसला होता!
**किरण मिश्रा**

### जितनी जल्दी हुई मुहब्बत

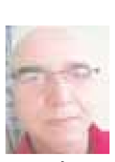

जितनी जल्दी हुई मुहब्बत, उतनी जल्दी खत्म हो गई किस्मत में इतना ही था, सो जल्दी पूरी रस्म हो गई दो दिन में होती क्या बातें, तड़प-तड़प कर गुजरी रातें जलते अरमानों की रस्सी, कितनी जल्दी भस्म हो गई उम्रदराज से जोड़ा नाता, लगने लगी वो काजू-पिस्ता कुछ मिनटों की बातों में ही, बहने लगी चंचला तीस्ता तेज बहाव जो हमने देखा, रोक नहीं पाये खुद को भी बहे साथ में थे हम दोनों फिर क्यों लगा के टूटा रिश्ता। **जे डी कुदाल**

### क्या कहा? इश्क? मैंने, किया

क्या कहा? इश्क? मैंने, किया है न मैं कहाँ अछूती रह सकती हूँ उससे ? वह तो एक स्वाभाविक प्रक्रिया है न? पर हाँ, तुम्हारे पास वह आँख कहाँ जो उस इश्क को पहचान सके। जो तुम्हारी आँख जिस्म तक पहुँचने की क्षमता रखती है, वह रूह तक की दूरी कैसे तय करेगी? समझे ? **देवयानी भारद्वाज**

### पुरूष की कोमलता से परिचय

पुरूष की कोमलता से परिचय दुर्लभ है। कठोर वस्तु टूटती भी है तो धार दार टुकड़ो मे टूटती है। जीवन के संघर्ष करते करते पुरुष भी टूट कर पैने हो जाते है। उन्हें सतर्कता से बड़ी सावधानी से छूना होता है वरना उंगली कट सकती है।
**कुलदीप वर्मा**

### हर चुनाव के पूर्व ही, जाता इनका

हर चुनाव के पूर्व ही, जाता इनका ध्यान। मुर्दे मुद्दे उठ खड़े, तोड़फोड़ नुकसान। तोड़फोड़ नुकसान, जलाने जन धन आतुर। जिनका कुछ न योग, मिटाने को हैं स्फुर। संकट के इस काल, शत्रु धन लेते पामर। पाँसे सारे फेंक, हारते बाजी वे हर। **हरिवल्लभ शर्मा 'हरि'**

### वहशी देखो झूमते, देती शासन

वहशी देखो झूमते, देती शासन साथ। अलबेली जनता बने, समझे उनको नाथ। समझे उनको नाथ, अरे ये किसकी गलती। अल्प -लाभ पर वोट, दिए तब पीकर सस्ती।। गुंडे खेले खेल, बनो तुम अब सम दरशी। वर्दी पर क्यों दाग, जतन कर मारो वहशी ।
**नवीन कुमार तिवारी**

## QUIZ TIME

1) छत्तीसगढ़ के उस जिले का नाम बताइये जो सर्वाधिक तीन राज्यों की सीमाओं से घिरा हुआ है? (बलरामपुर / कोरिया)

2) छ.ग. राज्य में नशे की लत से बच्चो की छुटकारा दिलाने के लिए देश का पहला नशामुक्ति केन्द्र राज्य में कहाँ खोला जा रहा है?

3) राज्य के प्रथम औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना 1904 में कहाँ हुई थी?

4) छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम महिला वैज्ञानिक होने का गौरव किसे प्राप्त है?

5) किस संस्थान से संबंधित है?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) बलरामपुर (2) दुर्ग (3) कोनी (बिलासपुर) (4) डॉ. [illegible] गांगुली (5) [illegible] के संस्थापक

## आज का इतिहास

**नयी दिल्ली ।** भारतीय एवं विश्व इतिहास में 05 अक्टूबर की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 1676 - ईस्ट इंडिया कंपनी को इंग्लैंड के राजा से मुंबई में भारतीय मुद्रा ढालने का अधिकार मिला।

1750 - वेनिस में कार्लो गोल्डोनि का 'आईल टेट्रो कॉमिको' का प्रीमियर किया गया। 1796 - स्पेन ने इंग्लैंड पर युद्ध की घोषणा की। 1805 - भारत में ब्रिटिश राज के दूसरे गवर्नर जनरल व कमांडर इन चीफ लार्ड कार्नवालिस का गाजीपुर में निधन। 1823 - मेडिकल जर्नल द लान्सेट ने थॉमस वक्ले की लंदन में स्थापना की। 1842 - जोसेफ ग्रोल ने पिल्सेन शहर के बोहेमिया में पहली पील्सनर बीयर का उत्पादन किया। 1864 - कलकत्ता (अब कोलकाता) शहर में चक्रवात से लगभग 50,000 लोगों की मौत। 1875 - सैन फ्रांसिस्को ने मार्केट स्ट्रीट पर पैलेस होटल की स्थापना की। 1880 - अलोंजो टी क्रॉस ने पहले बॉल प्वॉइंट पेन का पेटेंट कराया। 1902 - मैकडोनाल्ड्स को दुनिया के सबसे कामयाब फूड ऑपरेशन में बदलने वाले रे क्रॉक का जन्म। 1910 - पुर्तगाल में राजशाही खत्म और गणतंत्र की स्थापना हुई। 1915 - बुल्गारिया ने प्रथम विश्व युद्ध में हिस्सा लिया। 1944 - फ्रांस में महिलाओं को मताधिकार मिला। 1948 - तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्क़ाबात में भूकंप से 110,000 लोगों की मौत हुई। 1969 - मोंटी पायथन फ्लाइंग सर्कस पहली बार बीबीसी वन पर प्रसारित हुआ। 1988 - ब्राजील की संविधान सभा ने संविधान को मंजूरी दी। 1989 - मीरा साहिब बीवी भारतीय सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज बनीं।

■ न्यूज गैलरी

**भाजपा नेता की जुबान फिसली**

## कांग्रेस से भाजपा में आए नारायण पटेल बोले- वोट डालते समय केवल पंजा दिखना चाहिए

**खंडवा।** खंडवा की मंधाता सीट से भाजपा के संभावित प्रत्याशी नारायण पटेल की जुबान फिसल गई। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नारायण के मुंह से एक सभा के दौरान निकल गया कि कांग्रेस को दिल खोलकर वोट करें।वोट देते समय कांग्रेस का पंजा दिखना चाहिए। हाथ का पंजा दिखाते हुए नारायण बोले- जैसे ही आप मतदान करने जाएं, तो उसमें सीधे पंजा ही दिखना चाहिए। कांग्रेस को ही वोट डालना है। इतना सुनना था कि सभा में ठहाके लगने लगे। नारायण को अपनी गलती का एहसास हो गया और उन्होंने बगल में बैठे भाजपा नेता से बात करते हुए कहा- अरे पंजा नहीं, फूल दिखना चाहिए। फिर कहा- अरे अरे माफी चाहता हूं। गलती हो गई। पंजा नहीं फूल दिखना चाहिए। उन्होंने अपने दिमाग की तरफ हाथ करते हुए कहा- अरे कंप्यूटर में फिट है, क्या करें।

**धार में हत्या का खुलासा**

## प्रेमी ने दोस्त के साथ मिलकर महिला की हत्या की थी

**धार।** धार जिले के गंधवानी क्षेत्र में कुछ रोज पहले महिला की अधजली लाश मिली थी। पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। महिला की हत्या उसके प्रेमी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी। आरोपियों ने पहले महिला को गोली मारी, फिर चाकू से गोदा और सबूत मिटाने के लिए लाश जला दी थी। धार पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने बताया कि हत्या के मामले में दो आरोपियों के नाम सामने आए हैं- गोविंद और सोहन। सोहन को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि गोविंद अभी फरार है। गोविंद महिला का प्रेमी है। दरअसल, ये पूरा मामला एक लड़की की शादी से जुड़ा है। महिला ने लड़की की शादी कराई थी, जो एक महीने बाद ही ससुराल से लौट आई। इसी बात पर आरोपियों और महिला का विवाद चल रहा था ।

## जिले में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए निरंतर प्रयास जारी

**श्योपुर।** प्रभारी कलेक्टर श्री एसआर नायर के निर्देशन में नोबल कोरोना वायरस कोविड-19 के अतंर्गत श्योपुर जिलें में संक्रमण को रोकने के लिए विभिन्न प्रकार के उपाय किये जा रहे है। साथ ही संक्रमित मरीजो को कोरोना से निजात दिलाने के निरंतर प्रयास जारी है। सीएमएचओ डॉ बीएल यादव ने बताया कि कोरोना संक्रमण की दिशा में राज्य/अन्य राज्यों से आये 17313 यात्रियो की स्क्रीनिंग कार्य मेडीकल टीम द्वारा समय-समय पर कराने की सुविधा दी गई है। जिसमें विदेश भ्रमण से आये 64 व्यक्तियों को स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई। इसी प्रकार विदेश से आये इतने ही व्यक्तियों को होम कोरेनटाईन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। साथ ही उनका होमकोरेनटाइन का पीरियड भी पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा विदेश से आये 02 यात्री जिले मे वापिस नही लौटे है। इसी प्रकार जिले में होम कोरेनटाईन किये गये 17550 व्यक्तियों में से 17457 को घर भेजा जा चुका है। इसके अलावा 19927 व्यक्तियों के सेम्पल लिये जा चुके है। साथ ही 866 कोरोना वायरस सेम्पल रिपोर्ट पॉजीटिव पाई गई थी।

# अभ्यर्थियों को बताएँ नाम निर्देशन पत्र का कोई भी कॉलम खाली न छोड़ें

## जिला निर्वाचन अधिकारी ने रिटर्निंग अधिकारियों को बताई नामांकन प्रक्रिया की बारीकियाँ

*नव प्रदेश संवाददाता*

**ग्वालियर।** नाम निर्देशन-पत्र का प्रारूप देते समय ही सभी अभ्यर्थियों को साफ तौर पर बता दें कि नाम निर्देशन पत्र का कोई भी खाना (कॉलम) खाली न छोड़ें। अर्थात फॉर्म के सभी बिंदुओं की जानकारी स्पष्ट रूप से भरी जाए। ऐसा न होने पर नामांकन निरस्त हो सकता है। यह जानकारी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने रिटर्निंग अधिकारियों को दी।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने रविवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की बैठक लेकर नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने, नाम निर्देशन पत्रों की जाँच व नाम वापसी सहित नामांकन की सम्पूर्ण प्रक्रिया से संबंधित सभी पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया। इस प्रशिक्षण सह बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने भी नामांकन प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण बारीकियाँ रिटर्निंग अधिकारियों को बताईं।

प्रशिक्षण में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर के रिटर्निंग अधिकारी श्री प्रदीप तोमर, 16-ग्वालियर पूर्व के रिटर्निंग अधिकारी श्री एच बी शर्मा एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-19 डबरा (अजा) के रिटर्निंग अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा तथा तीनों विधानसभा क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग अधिकारी मौजूद थे।

ज्ञात हो जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-15 ग्वालियर, 16-ग्वालियर पूर्व एवं 19-डबरा (अजा.) में उप निर्वाचन होना है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार जिले में 3 नवम्बर को मतदान और 10 नवम्बर को मतगणना होगी।

**शपथ पत्र में देनी होगी स्वयं एवं आश्रितों की संपत्ति की जानकारी**

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक सभी अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रपत्र में शपथ पत्र लें। शपथ पत्र में अभ्यर्थी को खुद के नाम संपत्ति सहित आश्रितों की संपत्ति का भी ब्यौरा देना होगा। साथ ही यदि कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं तो उनका भी ब्यौरा शपथ पत्र में देना अनिवार्य है। शपथ पत्र के हर पृष्ठ पर प्रत्याशी के हस्ताक्षर भी अवश्य होने चाहिए। साथ ही प्रत्याशी को साफ तौर पर बता दें कि शपथ पत्र का कोई भी कॉलम खाली न छोड़ें।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने जानकारी दी कि विधानसभा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे। यदि कोई व्यक्ति शपथ पत्र की हार्ड कॉपी चाहता है तो वह एनआईसी में शुल्क जमा कर प्राप्त कर सकेगा।

**चुनावी व्यय के लिये अलग से बैंक खाता अनिवार्य**

विधानसभा का उप चुनाव लड़ने के इच्छुक हर अभ्यर्थी का बैंक में चुनावी व्यय के लिये अलग से खाता होना अनिवार्य है। खाता नम्बर की जानकारी अभ्यर्थी द्वारा संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को अनिवार्यतः देनी होगी।

**9 अक्टूबर को जारी होगी अधिसूचना, इसी दिन से नाम निर्देशन पत्र भरे जा सकेंगे**

उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने जानकारी दी कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए विधानसभा उप निर्वाचन कार्यक्रम के तहत निर्वाचन की अधिसूचना 9 अक्टूबर को संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जारी की जायेगी। इसी के साथ ही नाम निर्देशन पत्र भरने का सिलसिला शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 16 अक्टूबर तक भरे जा सकेंगे। नामांकन की संवीक्षा (जाँच) 17 अक्टूबर को होगी। नाम निर्देशन पत्र 19 अक्टूबर तक वापस लिए जा सकेंगे। मतदान 3 नवम्बर को होगा ।

# चोरी के आरोप में 11 महिलाएं गिरफ्तार

## महिलाओं ने फोटो स्टूडियो से कैमरा, कम्प्यूटर समेत 4.50 लाख रुपए का सामान चुराया, माल का बंटवारा करते हुए पकड़ी गई

**सभी महिलाएं गांधी नगर स्थित गोम्मटगिरी मल्टी की रहने वाली हैं**

**एमजी रोड पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया, दूसरी चोरी की घटनाओं में भी पूछताछ**

*नव प्रदेश संवाददाता*

**इंदौर।** एमजी रोड पुलिस ने शहर की ऐसी 11 महिलाओं को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने इलाके के एक फोटो स्टूडियो में चोरी की थी। सभी रविवार को माल का बंटवारा करते समय पकड़ीं गईं। एमजी रोड थाना टीआई राजेंद्र चतुर्वेदी के अनुसार पकड़ी गई महिलाएं गंगाबाई उर्फ दुर्गाबाई, पार्वती, संगीता, दुर्गा, पूजा, किरण, भारती, मीना, माया, नीतू और दुर्गा अवाड हैं। ये सभी गांधी नगर स्थित गोम्मटगिरी मल्टी में रहने वाली हैं। यहां इन्हें शहर के अलग-अलग स्थानों से शिफ्ट किया गया था।

टीआई ने बताया कि सुबह आडा बाजार के दुकान संचालक रूपेश ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसकी दुकान मां कालका स्टूडियो में चोरी हो गई है। दुकान की खिड़की टूटी थी। दुकान से कैमरे, मोबाइल, कम्प्युटर, प्रिंटर समेत 4.50 लाख रुपए का इलेक्ट्रॉनिक सामान गायब था।

पुलिस ने छानबीन शुरू की। रविवार को पुलिस को सूचना मिली की कुछ महिलाएं कोष्टि समाज की धर्मशाला के पीछे माल का बंटवारा करने के बाद सस्ते में बेचने की फिराक में है। पुलिस ने मौके पर छापा मारा और उन्हें माल समेत दबोच लिया। उनसे माल जब्त हुआ और अब नए मामलो में पूछताछ की जा रही है।

## हमने प्रभुराम को नहीं छोड़ा वो खुद गद्दारों के साथ चले गए: जिलाध्यक्ष देवेंद्र पटेल

**रायसेन।** सांची उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मदन चौधरी अहिरवार पूरी ताकत झोंक रहे हैं। उनके साथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष देवेंद्र पटेल और पार्टी कार्यकर्ता भी जमीनी स्तर पर कांग्रेस की जीत के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। रविवार को गांव हिनोतिया और नक्तरा के दौरे पर पटेल ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ.प्रभुराम चौधरी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमने प्रभुराम चौधरी को नहीं छोड़ा। वो खुद कांग्रेस से गद्दारी कर ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ चले गए। अब लोकतंत्र से जनता का विश्वास उठ गया है और वह गद्दारों को सबक सिखाने के लिए कमर कस चुकी है। उत्तर प्रदेश के हाथरस गैंगरेप और मर्डर केस पर जिलाध्यक्ष श्री पटेल ने भाजपा और योगी सरकार को आड़े हाथों लिया। देवेंद्र पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश में भी महिला अपराध चरम पर है। भाजपा और शिवराज में बहनों और भांजियों को डर लगता है। मुझे लगता है कि दुष्कर्म और हत्या जैसे गंभीर महिला अपराधों में शामिल दरिंदों के लिए मौत से बढ़कर कोई सजा नहीं हो सकती।

सांची सीट पर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए डॉ. प्रभुराम को टक्कर देने मैदान में उतरे मदन चौधरी ने कहा कि गद्दारों को सबक सिखाने के लिए जनता पूरा मन बना चुकी है। मुझे जनता की ओर से भरपूर स्नेह और सहयोग मिल रहा है। कांग्रेस की जीत के बाद सांची क्षेत्र के विकास के लिए हम पूरा प्रयास करेंगे।

## एसडीएम पोहरी ने ली विधानसभा निर्वाचन हेतु बीएलओ एवं सुपरवाईजर की बैठक

**अनुपस्थित 32 बीएलओ एवं 14 सुपरवाईजर को दिए कारण बताओ सूचना पत्र**

*नव प्रदेश संवाददाता*

शिवपुरी। पोहरी विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत एसडीएम एवं रिटर्निंग ऑफिसर श्री जे.पी.गुप्ता द्वारा विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों हेतु आईटीआई पोहरी पर बी.एल.ओ. एवं सुपरवाईजर की बैठक ली गई। बैठक में अनुपस्थित 32 बी.एल.ओ एवं 14 सुपरवाईजर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए है।

एसडीएम श्री गुप्ता ने कहा कि सुपरवाईजर एवं बी.एल.ओं के बीच समन्वय होना चाहिए जिससे कार्य करने में सरलता रहेगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों की स्थिति का अवलोकन करें तथा उसमें शिफ्टेड, मृत व रिपीटर्स को देख लें एवं मतदान केन्द्रों की वास्तविक स्थिति देखकर अवगत कराये। यदि केन्द्र पर पानी, बिजली, रेम्प, किवाड, फर्नीचर आदि की कोई समस्या होने पर अवगत कराए। उन्होंने अनुपस्थित बीएलओ एवं सुपरवाईजर्स को तीन दिवस में एसडीएम कार्यालय में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

अनुपस्थित सुपरवाईजर्स में रामहेत सिंह यादव, महेन्द्र करारे, के.बी.मुदगल सीएसी, भमरसिंह धाकड बीएसी एवं आरएईओ सीबीएस राठोर, मनोज खत्री, नवी बक्स, हरीशंकर दुबे, उमेश त्रिपाठी, आर.के.शर्मा, लक्ष्मण धाकड, आर.एस.जाटव, कोक सिंह शामिल है।

**इंदौर में ट्रिपल तलाक**

## दूसरी शादी की तैयारी में था पति, पत्नी ने उसकी मंगेतर को बता दी हकीकत; गुस्से में दिया तीन तलाक

**महिला की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ रिपोर्ट, दहेज प्रताड़ना में भी केस दर्ज**

**महिला अपने मायके में रहती है, उसका आरोप है कि पति उसे खर्च के पैसे तक नहीं देता**

*नव प्रदेश संवाददाता*

**इंदौर।** इंदौर में तीन तलाक का मामला सामने आया है। पति दूसरी शादी की तैयारी में था। पत्नी उसकी होने वाली दूसरी पत्नी के घर पहुंची और उसे सारी हकीकत कह सुनाई। बताया कि वह जिससे शादी करने जा रही है, पहले से शादीशुदा है। इस बात से नाराज होकर पति ने पत्नी को तीन तलाक दे दिया। पत्नी की शिकायत पर सदर बाजार थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सदर बाजार टीआई अजय वर्मा के अनुसार जूना रिसाला में रहने वाली 27 साल की सना खान की शिकायत पर पति जुबेर उर्फ चीनू लाला निवासी राणा प्रताप मार्ग कन्नौद के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सना ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसकी

शादी 7 फरवरी 2016 को हुई थी। वह अपने मायके में रह रही है। 5 अगस्त 2020 की शाम पति उसकी मां के घर जूना रिसाला आया और इस बात पर नाराजगी जताई कि उसने उसकी दूसरी होने वाली पत्नी को हकीकत क्यों बताई। इसके बाद उसने उसे तीन बार तलाक दे दिया।

महिला का कहना है कि उसके बेटे की तबियत खराब चल रही थी। यही वजह है कि तब उसने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। सना ने बताया कि उसका बेटा बीमार रहता है। पति उसे खर्च के पैसे भी नहीं देता। उसने पति पर दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है।

## विधानसभा उपनिर्वाचन को देखते हुए आबकारी विभाग द्वारा अपराधियों के विरुद्ध अभियान तेज

इन्दौर। विधानसभा उपचुनाव सांवेर के मद्देनजर आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा पर नियंत्रण लगाने हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है। यह कार्यवाही कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनीष सिंह के निर्देशानुसार की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री राज नारायण सोनी के निर्देशन में तथा नियंत्रण कक्ष प्रभारी श्री राजीव द्विवेदी के मार्गदर्शन में गठित विभिन्न दल लगातार कार्यवाही कर रहे हैं। इंदौर जिले में विधानसभा उप निर्वाचन को देखते हुए इंदौर जिले की सभी आबकारी वृत की टीमें सक्रिय हैं। फील्ड में निरंतर गश्त एवं दबिश जारी है।

इस सिलसिले में गत दिवस इस अभियान में पूरे जिले के अलग अलग क्षेत्रों मे प्रभावी कार्रवाई भी की गई।

इस कार्रवाई में सांवेर में अलग अलग क्षेत्रों में तीन प्रकरणों में 120 पाव देशी मदिरा जप्त हुई। जिसका बाजार मूल्य 12 हजार रुपए है। गोपाल पिता राजाराम निवासी सोलसिंदा धरमपुरी से 35 पाव देशी मदिरा मसाला, संगीता बाई पति छोटे लाल निवासी नाहर खेड़ा से 47 पाव देशी मदिरा मसाला तथा सावित्री बाई पति ऊँकार सिह निवासी नाहर खेड़ा से 38 पाव देशी मदिरा मसाला जप्त की गई। टीमों द्वारा सांवेर विधानसभा क्षेत्र के गावों खान बड़ोदिया हिंडोलिया, टिटावदा,सोलसिन्दा, बसान्द्रा,नाहरखेड़ा,कटकिया,जिंदाखेड़ा,पाल कॉंकरिया,जम्मुड़ी सरवर आदि मे सघन गश्त व चेकिंग की गई। महू के दोनो वृत क्षेत्रों में अवैध मदिरा संग्रह विक्रय परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कुल 04 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। आज की कार्यवाही में 30 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 900 किलो महुआ लहान जप्त किया गया। जप्त सामग्री का बाजार मूल्य एक लाख 38 हजार रुपये लगभग है।

## भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किये जाने वाले प्रस्तावों का परीक्षण करने

**स्क्रीनिंग कमेटी गठित**

भिण्ड। विधानसभा उप निर्वाचन-2020 की आचार संहिता प्रभावशील होने से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किये जाने वाले प्रस्ताव का परीक्षण/अनुशंसा करने के लिये राज्य शासन द्वारा स्क्रीनिंग कमेटी गठित की गई है। इस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग तथा जिस विभाग का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जायेगा, उसके अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव भी कमेटी के सदस्य होंगे। जारी आदेश के मुताबिक अब कोई भी विभाग विधानसभा उप निर्वाचन के संदर्भ में जारी आचार संहिता के दौरान अपना प्रस्ताव स्क्रीनिंग कमेटी के परीक्षण/अनुशंसा के पूर्व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से अथवा सीधे भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित नहीं करेगा। स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत करने के पूर्व प्रशासकीय विभाग भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों/स्पष्टीकरण का पर्याप्त अध्ययन और उसके अनुसार परीक्षण करते हुए भारत निर्वाचन आयोग के सुसंगत निर्देशों/आदेशों का हवाला देते हुए उसे संदर्भित करेगा। प्रशासकीय विभाग को अपने प्रस्ताव में यह औचित्य भी दर्शाना होगा कि प्रस्ताव अत्यंत महत्वपूर्ण क्यों है और निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक इसे क्यों नहीं रोका जा सकता है।

भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किया जाने वाला प्रस्ताव स्वयं स्पष्ट टीप के रूप में भेजा जायेगा न कि नस्ती के रूप में। प्रस्ताव भेजने के पूर्व भारत निर्वाचन आयोग के निर्णय में लगने वाले संभावित समय का विशेष ध्यान रखना होगा। प्रस्ताव सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से समिति के समक्ष प्रस्तुत किये जायेंगे।

# दिन के उजाले में कार्रवाई लेकिन रात के रेत माफियाओं पर कब कसेगा शिकंजा?

## लगातार खबर के बाद और कलेक्टर के निर्देश पर कार्यवाही, खनिज विभाग अपनी जिम्मेदारियों से क्यों झाड़ रहा पल्ला?

**काँकेर।** जिला मुख्यालय में इन दिनों रेत की तस्करी अपने चरम पर है।रेत की अवैध तस्करी और रेत माफ़ियाओं के द्वारा बड़े पैमाने पर रात के अंधेरे में बड़े बड़े हाइवा वाहनो से रेत माफ़िया छत्तीसगढ़ के दुर्ग भिलाई रायपुर बिलासपुर जैसे शहरों पर सूत्रों के अनुसार 50 हजार से 60 हजार रुपए एक हाइवा रेत बेचकर सरकार के राजस्व को नुकसान पहुँचाया जा रहा है। जिले के रेत माफ़ियाओं की बेख़ौफ तस्करी की खबर को दैनिक नवप्रदेश ने 26 27 सितंबर के अलावा 3 व 4 सितम्बर को लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किया जा रहा है।रेत की अवैध तस्करी के खिलाफनवप्रदेश की मुहिम का एक बड़ा असर 4 सितंबर को हुआ है।खनिज विभाग की टीम ने शहर से महज 7 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत नारा-कोकड़ी महानदी में कार्यवाही करने पहुँची।जब खनिज विभाग ने नारा कोकड़ी महानदी पहुँची तो रेत माफ़िया जेसीबी व हाइवा छोड़कर फ़रार हो गए।विभाग ने जेसीबी व हाइवा को छोड़कर भागने वाले वाहन को लावारिस मानकर कोकड़ी सरपँच के सुपुर्द कर दिया गया।

**नवप्रदेश लगातार**

अवैध रेत तस्करों के आगे सत्ता सिस्टम सब हुए नतमस्तक
रेत तस्करी : नवप्रदेश की खबर पर कलेक्टर ने लिया संज्ञान, जेसीबी व दो हाइवा पर कार्रवाई

**बाहर के माफ़िया लूट रहे बस्तर की खनिज संपदा पर आदिवासी जनप्रतिनिधि की चुप्पी पर भी लग रहा सवालिया निशान :** बता दे की दैनिक नवप्रदेश ने लगातार रेत माफ़िया और अवैध रेत की तस्करी सहित बस्तर के प्रवेश द्वार काँकेर जो आदिवासी बाहुल्य इलाका माना जाता है।और खास बात तो यह भी है।की बस्तर संभाग जो आदिवासी बाहुल्य इलाका होने के साथ पाँचवी अनुसूची क्षेत्र लागू किया जा चुका है।इस लिहाज से बस्तर की वन संपदा सहित बस्तर की खनिज सपंदा पर आदिवासी समाज का दखल होना चाहिए।लेकिन बस्तर संभाग के प्रवेश द्वार काँकेर में आदिवासी सांसद विधायक होने के बावजूद पाँचवी अनुसूची क्षेत्र में बाहर जिले के रेत माफ़ियाओं द्वार किस प्रकार खनिज सपंदा का दोहनकर आदिवासीयो के अधिकारो का हनन किया जा रहा है।लेकिन आदिवासी जनप्रतिनिधियों के द्वारा रेत माफ़ियाओ द्वारा अवैध तस्करी के खिलाफ चुप्पी पर सवालो के घेरे में दिखाई दे रहा है।

### रात के अंधेरे के रेत माफ़ियाओ और रेत तस्करी करने वालो पर कब कसेगा शिकंजा पूछ रही जनता जनार्दन

अवैध रेत तस्करी करने वालो पर 3 अक्टूबर को खनिज विभाग के द्वारा ग्राम नारा- ग्राम कोकड़ी की महानदी से जेसीबी और हाइवा पर कार्यवाही किया गया था।विभाग की अचानक कार्यवाही से रेत माफ़ियाओं और तस्कर में इतना ख़ौफ़रहा की जेसीबी और हाइवा छोड़कर फ़रार हो गए ।लेकिन विभाग ने हाइवा जेसीबी का लावारिस पंचनामा बनाकर कोकड़ी सरपँच के सुपुर्द किया गया ।अब सवाल यह उठता है।कि खनिज विभाग दिन के उजाले में महानदी में कार्यवाही तो कर दिया गया लेकिन रात के रेत माफ़िया और अवैध रेत तस्करी पर खनिज विभाग कब शिकंजा कसेगा।यह बड़ा सवाल इसलिए भी है।कि दिन के उजाले से ज़्यादा रेत तस्करी के काम को माफ़िया रात में अंजाम देते है।

■ न्यूज गैलरी

## युवोदय वॉलंटियर्स ने गांधीगिरी से लोगों को जागरूक करने का किया प्रयास

**जगदलपुर।** युवोदय वॉलंटियर्स द्वारा आज 4 अक्टूबर को जगदलपुर के अग्रसेन चौक एवं गोल बाजार चौक पर कोरोना से जागरूकता हेतु अनोखा तरीका अपनाया गया। वॉलंटियर्स स्थानीय अग्रसेन चौक एवं गोल बाजार के बीच सोशल डिस्टनसिंग का पालन करते हुये हाँथ जोड़कर खड़े रहे। इस बीच आने जाने वालों से मास्क, सामाजिक दूरी, व अन्य नियमों का पालन करने हेतु अपील करते दिखे एवं जो मास्क नहीं पहने थे उन्हें मास्क भी वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि युवोदय वॉलंटियर्स द्वारा कोरोना से जागरूकता हेतु लगातार नुक्कड़ नाटक, दीवाल लेखन सहित अन्य जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

## हाथरस की बिटिया को न्याय दिलाने कांग्रेस का जिला स्तरीय मौन सत्याग्रह आन्दोलन

**कांकेर।** उत्तर-प्रदेश के हाथरस में बाल्मिकी समुदाय के 19 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार व हत्या की घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया है, पीड़िता के साथ घटित घटना से मानवता को शर्मशार कर दिया है। वही योगी आदित्यनाथ की भाजपा सरकार ने हाथरस की बेटी के साथ हुयी बर्बरता व अत्याचार से भी ज्यादा बर्बरता उत्तर-प्रदेश के पुलिस और प्रशासन ने दिखाते हुये पीड़िता के परिवार की सहमति के बिना ही आधी रात को की गयी अंतिम संस्कार घोर निंदनीय व समाज के लिए चिंतनीय है। जिला कांग्रेस प्रवक्ता सुनील गोस्वामी ने बताया कि इस संबंध में छ.ग. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर 5 अक्टूबर को सुबह 11 बजे जिला मुख्यालय कांकेर के कलेक्ट्रेट के सामने डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा के समक्ष मौन-सत्याग्रह आंदोलन का आयोजन किया गया है। इसके पश्चात हाथरस की घटना से पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने तथा उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को भंग करने के संबंध में राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौपा जायेगा। जिसमें स्थानीय प्रदेश पदाधिकारियों पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पदाधिकारियो, समस्त मोर्चा एवं संगठन, प्रकोष्ठ, विभाग के जिला ब्लाक पदाधिकारियों, सोशल मीडिया सदस्यों नगरीय-निकाय, त्रिस्तरीय पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, सहकारिता क्षेत्र के पदाधिकारियों, वरिष्ठ कांग्रेसजन कार्यकर्ता उक्त आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है ।

## सांसद पहुंचे साल्हेटोला व बागोड़, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

**कांकेर।** लोकसभा सांसद मा मोहन मण्डावी जी आज नरहरपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश नागदौने व अन्य ग्रामवासियों के निमंत्रण पर नरहरपुर विकासखंड के ग्राम साल्हेटोला एवं आश्रित ग्राम बागोड़ पहुंचे । दोनों गावँ में उन्होंने ग्रामवासियों की समस्या सुनी व संबंधित अधिकारियों से बात कर समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया । ग्रामवासियों ने दोनों गांव के महानदी तट में बने हुए त्रुटिपूर्ण एनीकेट एवं पिचिंग निर्माण होने की शिकायत सांसद मोहन मण्डावी से की । ग्रामवासियों ने बताया कि त्रुटिपूर्ण पिचिंग निर्माण के कारण महानदी का पानी गांव के खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है । सांसद मोहन मण्डावी जी द्वारा निर्माण कार्य की त्रुटि एवं किसानों को हो रहे समस्या के समाधान हेतु विभाग के अधिकारियों को मोबाइल के माध्यम से तत्काल त्रुटिपूर्ण कार्य को सुधार करने का आदेश देकर समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करने का आश्वासन सभी ग्राम वासियों को दिया गया । इस अवसर पर नरहरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेश नेताम, भाजपा मंडल महामंत्री ग्राम सरपंच बलदेव ठाकुर, जनपद सदस्य श्रीमती पुष्पा मंडावी, श्रीमती चिंतामणि रामटेके, महामंत्री दिनेश कौशिक, हरि राम, राज ठाकुर, दुकू जैन, विजय जैन, लक्ष्मी कांत ठाकुर, वाहिद खान, लक्ष्मी साहू, द्वारिका सोनी, एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

## मां अंगारमोती स्थल का जारी पट्टा निरस्त करने हेतु कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

**मुंगेली।** छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ मुंगेली द्वारा जिला धमतरी में गोड़ समाज की आराध्य देवी मॉ अंगारमोती स्थल का जारी पट्टा निरस्त करने हेतु कलेक्टर को ज्ञापन सौपा। कलेक्टर श्री एल्मा को छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ मुंगेली के जिला अध्यक्ष अकत ध्रुव के नेतृत्व में गोड़ समाज के अन्य लोगों ने कल 02 अक्टूबर को अपना ज्ञापन जिला कलेक्टोरेट स्थित स्वान कक्ष में सौपा।

# एसईसीएल को लक्ष्य से दूर बारिश व हड़ताल बनी बाधा

नवप्रदेश संवाददाता

**कोरबा।** वित्तीय वर्ष की छमाही अवधि खत्म होने के बाद साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) अपने निर्धारित उत्पादन लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकी। कंपनी को 83.36 मिलियन टन (एमटी) कोयला उत्पादन करना था, पर 30 सितंबर को खत्म हुई छमाही में 53.69 एमटी कोयला उत्पादन हो सका। भारी बारिश, दुर्घटना व आंदोलन के चलते कंपनी पीछे रह गई। अब वित्तीय वर्ष की शेष छह माह की अवधि में 129.31 एमटी कोयला उत्पादन करने की चुनौती है।

कोल इंडिया में उत्पादन में अग्रणी एसईसीएल कंपनी मासिक लक्ष्य हासिल करने संघर्ष कर रही है। वित्तीय वर्ष 2020-21 का प्रथम छह माह खत्म हो चुका है। इसके साथ ही कंपनियों की उत्पादन स्थिति भी स्पष्ट हो गई। एसईसीएल ने सितंबर माह में 8.50 एमटी उत्पादन किया, जबकि अप्रैल से सितंबर तक छह माह में 53.69 एमटी उत्पादन किया और ग्रोथ माइनस 11.6 प्रतिशत रहा। एसईसीएल में गेवरा, कुसमुंडा, दीपका जैसी बड़ी ओपन कास्ट खदानें हैं। बारिश के दौरान ओपन कास्ट खदान में भारी वाहन का परिचालन प्रभावित होने से उत्पादन में गिरावट आई थी। इसके साथ ही कोयला मजदूरों की तीन दिवसीय हड़ताल, भू-विस्थापितों का विरोध व बारिश भी उत्पादन व डिस्पैच में बाधा बनी। कंपनी को चालू वित्तीय वर्ष में 183 एमटी का लक्ष्य हासिल करने अब कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। कंपनी से जुड़े जानकारों का कहना है कि बारिश बंद होने के साथ ही प्रतिदिन उत्पादन बढ़ाया जा रहा है। केवल एसईसीएल ही नहीं बल्कि कोल इंडिया की नजर भी गेवरा, कुसमुंडा व दीपका खदान में टिकी हुई है। तीनों ओपन कास्ट खदान का उत्पादन टारगेट भी बढ़ चुका है। इससे संभावना जताई जा रही है कि कंपनी 31 मार्च 2021 तक अपने लक्ष्य के करीब रहेगी।

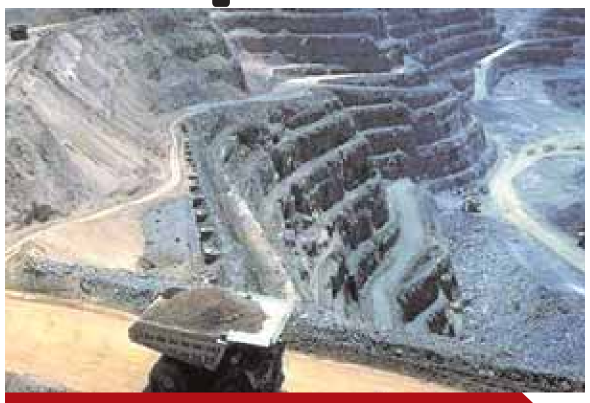

### सीआइएल को अब 474 एमटी की चुनौती

एसईसीएल समेत सीआइएल की सभी अनुषांगिक कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष के छमाही (30 सितंबर तक) 236.05 एमटी कोयला उत्पादन किया, जबकि इसी अवधि तक उत्पादन का लक्ष्य 287.62 मिलियन टन निर्धारित था। इस तरह कोल इंडिया का 4.88 प्रतिशत निगेटिव ग्रोथ रहा। पिछले वर्ष इसी अवधि में सीआइएल ने 240.93 एमटी कोयला उत्पादन किया था। एसईसीएल समेत सीआइएल की अन्य अनुषांगिक कंपनी को चालू वर्ष में 710 मिलियन टन कोयला उत्पादन का टारगेट दिया गया है। यानी शेष छह माह में 474 एमटी कोयला निकालना है, यह असंभव प्रतीत होता है।

### कोयला डिस्पैच में 21 प्रतिशत नेगेटिव ग्रोथ

पावर प्लांट में कोयला की मांग होने पर डिस्पैच पर जोर दिया गया, इसके बावजूद लक्ष्य हासिल नहीं हो सका। 30 सितंबर तक कोल इंडिया से 254.93 मिलियन टन डिस्पैच हो सका, जबकि इसी अवधि में 305.02 मिलियन टन डिस्पैच का टारगेट रखा गया था। इसमें लगभग 21 प्रतिशत नेगेटिव ग्रोथ रहा। एसईसीएल ने उत्पादन के मुकाबले छह एमटी ज्यादा यानी 61.69 एमटी अधिक डिस्पैच किया। इसी तरह एनसीएल ने 49.98, ईसीएल ने 19.15, बीसीसीएल ने 10.40, सीसीएल ने 26.81, डब्ल्यूसीएल ने 19.07, एमसीएल ने 67.75 एवं एनईसी ने 0.09 एमटी डिस्पैच किया। पिछले वर्ष इसी अवधि में 275.93 एमटी डिस्पैच हो सका था।

# दो माह पूर्व हुई 42 हजार की चोरी, पीड़ित ने थानेदार से की मौखिक शिकायत

▪ आज तक चोर पुलिस की गिरफ्त से बाहर

**काँकेर।** बीते 2 माह पूर्व 23 अगस्त 2020 की दरमियानी रात भंडारीपारा में किराना व्यापारी की दुकान से दुकान के सीमेंट सीट हटाकर उक्त दुकान से तकरीबन 42 हजार की मंहगी सिगरेट और अन्य किराना सामान को चोरों ने चोरी कर अंजाम दे दिया था ।जिसके बाद दुकान संचालक के द्वारा अगले दिन 24 अगस्त 2020 को काँकेर कोतवाली पहुचकर चोरी की घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई । इस बीच दुकान संचालकों ने अपने माध्यम से भी चोरों का पतासाजी करते रहे।इस बीच करीब सप्ताह भर बाद दुकान संचालक के पिता अरुण देवांगन ने दुकान में हुए चोरी की घटना में शामिल लोगों की पहचान कर कोतवाली थाना प्रभारी सहित चोरी की रिपोर्ट की जाँच कर रहे अधिकारी को मौखिक जानकारी देकर न्याय की गुहार लगाई गई।लेकिन 2 माह बीत जाने के बावजूद भी आज पर्यंत तक ना चोर पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

**पीड़ित ने कहा चोरो पर कार्यवाही नही होने से चोरों के हौसले होंगे बुलंद, शिकायत के बावजूद चोर खुले आम घूम रहे :** भण्डारीपारा दुकान से हुए 42 हजार की चोरी के पीड़ितपक्ष के पिता अरुण देवांगन ने बताया की अगस्त माह में हुई चोरी की घटना के बाद हमारे द्वारा कोतवाली थाना प्रभारी और हमारी चोरी की जांच कर रहे अधिकारी को चोरों के नाम मौखिक रूप से बताकर न्याय की गुहार लगाई गई थी।लेकिन विडंबना ही कहे की 2 माह बीत जाने के बावजूद आज पर्यन्त चोरो पर पुलिस की कार्यवाही नही हुई ।आज भी खुलेआम चोर घूम रहे है।इस प्रकार पुलिस के रवैये से चोरों के हौसले बुलंद हो रहे है।

> जांच जारी है।चोर ज़ल्द गिरफ्त में होंगे।
>
> **मोरध्वज देशमुख,** थाना प्रभारी कोतवाली

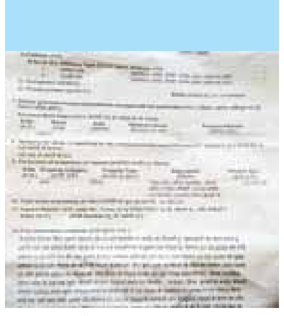

# कोरोना कॉल के बावजूद शक्ति अंचल में चालू हुआ श्रमिकों के पलायन का दौर

▪ अन्य राज्यों से लेबर ठेकेदार बसों के माध्यम से ले जा रहे हैं श्रमिकों को

**शक्ति।** शक्ति अंचल में वर्तमान में चल रहे कोरोनाकाल के बावजूद श्रमिकों के पलायन का सिलसिला जोरों से चालू हो गया है, तथा विगत मार्च 2020 के बाद से पूरे देश में कोरोना संक्रमण के चलते जहां विभिन्न राज्यों में पलायन कर मजदूरी की तलाश में रह रहे श्रमिक अपने परिवारों के साथ कोरोना के भय से वापस अपने परदेस लौट गए थे, तथा केंद्र एवं राज्य की सरकारों द्वारा ऐसे सभी श्रमिकों को उनके स्थानों से लाने के लिए समुचित व्यवस्थाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध करवाते हुए उन्हें कोरोना संक्रमण के बचाव से बतौर सतर्कता ग्रामीण तथा शहरी अंचल में क्वारन्टीन सेंटर के माध्यम से रखा गया तथा उसके बाद यह सभी श्रमिक अपने घरों की ओर लौट गए किंतु कोरोना काल के एवं कोरोना कि वैश्विक महामारी को देखते हुए ऐसा लगता है कि एक बार रोजगार की चिंता श्रमिकों को सता रही है, तथा पलायन की मानें तो शक्ति शहर से लगे कंचनपुर में नए बायपास मार्ग पर विगत कई दिनों से रात्रि समय राजस्थान राज्य की बड़ी लग्जरी बसों के माध्यम से ठेकेदारों द्वारा अंचल के श्रमिकों को एक स्थान पर एकत्रित कर ले जाने का कार्य किया जा रहा है, एवं 2 अक्टूबर की रात्रि भी कंचनपुर बायपास मार्ग पर राजस्थान प्रदेश की एक बड़ी लग्जरी बस के माध्यम से अंचल के काफी संख्या में श्रमिक रवाना हुए हैं तथा यही सिलसिला पूरे अंचल में चल रहा है, एवं एक और जहां सरकारों ने श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लाखों करोड़ों रुपए व्यय किए किंतु पुनः अब श्रमिक पलायन करने लगे हैं,तथा शासन प्रशासन को चाहिए कि समय रहते श्रमिकों के हो रहे इस पलायन पर नियंत्रण करें तथा ग्रामीण इलाकों में मजदूरों का कहना है कि उन्हें अन्य राज्यों से बड़े फैक्ट्री मालिकों तथा लेबर ठेकेदारों द्वारा फोन के माध्यम से मजदूरी की राशि में वृद्धि किए जाने तथा सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाने की बातें कही जा रही हैं, इसे देखते हुए वे वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर कमाने खाने के लिए पुनः लौट रहे हैं।

# मन्त्री डहरिया के बयान और कोंडागाव में सामुहिक बलात्कार के मामले पर पीसीसी चीफ मरकाम की चुप्पी पर बिफरीं लता उसेन्डी

▪ छत्तीसगढ़ मे 13 महिने मे आई 2575 रेप कि घटनाये सामने

**कोंडागाँव।** पुर्व मन्त्री भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लता उसेन्डी ने अट्ल सदन मे प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कोन्डागाव थाना के अंतर्गत पीडित आदीवासी महीला जो काम कि तलास मे बनियागाव से कोन्डागाव आने के लिये गाडी नही चलने के कारण कई गाड़ीयो को रोकने के बाद भी नही रुकने के चलते मजबूरी में जगदलपुर से आ रही ट्र्क पर बेठकर कोण्डागाव के लिये निकली थी, लेकिन उसे ट्रक के ड्राईवर द्वारा कोन्डागाव मे नही उतारा गया ओर उसे केसकाल के पास ले जा तीन लोगो के द्वारा सामुहिक बलात्कार कर रायपुर के सिलतरा तक साथ लेकर गए।लेकिन पीडित महीला के द्वारा वहा के लोगो से सहयोग मांगा ओर पुलिस वाले से सम्पर्क कर पुरी घटना को बताया तब पुलिस वाले ने जानकारी के साथ महीला को पुलीस थाना लाकर तीनो आरोपी की गिराफ़्तारी की द्य

घटना कि जानकारी जैसे ही लता उसेन्डी ओर भाजपा जिला अध्यक्ष दिपेश अरोरा को मिली तुरंत सखी सेन्टर पहुचकर पीडित महीला से मुलाकात कर पुरी जानकारी ली गयी द्य ओर सरकार से मांग किया गया कि पीडित महीला को तुरंत मुवावजा दे ओर नोकरी कि व्ययस्था करे,नही तो भाजपा के द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा।

इस सामुहिक बलत्कार को लेकर लता उसेन्डी ने पीसीसी चीफ़ मोहन मरकाम के चुप्पी पर बिफ़्री ओर कहा कि मोहन मरकाम जी प्रदेश मे व्यस्त है ओर खुद के जिला मे बलात्कार के मामले मे चुप्पी साधे हुए हैं। ये दोहरी मानसिकता है छत्तीसगढ़ मे हो रहे लगातार बलात्कार का मामला को लेकर मुख्यमंत्री से आव्हान किया है कि इस घटना कि पुनरावृत्ति ना हो उसके लिये कडी से कडी कार्यवाही करने कि मांग कि ओर कहा कि बलरामपुर कि घटना को लेकर जो प्रदेश के मंत्री शिवडहरिया ने जो घटिया बयान दिया है ओर कहा है कि यूपी के हाथरस कि घटना बडी है ओर छत्तीसगढ़ कि घटना छोटी है द्य घटना कोई भी हो छोटी बडी नही होती घटना घटना ही होती है, इस बयान पर लता उसेन्डी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि शिव डहरिया प्रदेश कि बहन बेटियो से माफ़ी मांगे ।

# गोंडी को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान, गूगल ने तैयार किया यूनिकोड फॉन्ट, अब गोंडी में भी कर सकेंगे टाइप

**जगदलपुर।** बस्तर में आदिवासियों की भाषा गोंडी अब उन अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में शामिल हो गई है. जिसका यूनीकोड अब गूगल में भी मौजूद होगा. गोंडी भाषा को भी लिपिबद्ध कर लिया गया है और गूगल ने इसका यूनीकोड फॉन्ट भी बना दिया है. इसके साथ ही अब गोंडी भाषा मोबाइल और इंटरनेट पर आसानी से टाइप की जा सकेगी. गोंडी भाषा को अंतरराष्ट्रीय पहचान देने का काम गूगल और न्यूजीलैंड की कंपनी ने किया है. इस काम में सहयोग देने वाले शुभ्रांशु चौधरी ने बताया कि शुक्रवार को गोंडी यूनीकोड फॉन्ट के ऑनलाइन इनोग्रेशन के दौरान तेलंगाना के सिदाम अरजु, न्यूजीलैंड के मार्क पैनी, गूगल से क्रेक कोरनेलियस और देवांश मेहता मौजूद थे.

### गोंडी भाषा को मिलेगी पहचान

शुभ्रांशु ने बताया कि यूनीकोड फॉन्ट आ जाने से गोंडी भाषा का खासा विस्तार होगा. अबतक गोंडी भाषा सिर्फ बोली जाती थी, लेकिन अब इसे लिखा भी जा सकेगा. खासतौर पर यूनीकोड फॉन्ट के जरिए इसका उपयोग युवा कर पाएंगे. इसके अलावा शुभ्रांशु चौधरी ने बताया कि गोंडी भाषा को यूनिकोड में पहचान मिलने से मध्य भारत में फैली नक्सल हिंसा पर बातचीत के भी रास्ते खुलेंगे. साथ ही गोंडी भाषा में सार्थक चर्चा की जा सकेगी. इसके अलावा शुभ्रांशु का कहना है कि इससे मध्य भारत में शांति लाने में भी मदद होगी.

शुभ्रांशु ने बताया कि इसके अलावा बस्तर डॉयलाग की टीम ने मध्य भारत में चल रही हिंसा और इसके समाधान के लिए ऑनलाइन जनमत संग्रह कार्यक्रम चलाया था. जिसमें कुल 3 हजार 760 लोगों ने हिस्सा लिया. इसी कड़ी में गांधी जयंती के मौके पर 150 गांवों के पीड़ितों को इस जनमत संग्रह कार्यक्रम से जोड़ा गया

### बोलने के साथ लिखना हुआ आसान

बता दें कि अब तक गोंडी भाषा सिर्फबोली जाती थी, लेकिन अब इसे लिखा भी जा सकेगा। खासतौर पर यूनीकोड फॉन्ट के जरिए इसका उपयोग करना अब आसान होगा। गूगल पर यूनीकोड मौजूद होने से युवा भी गोंडी की ओर आकर्षित होंगे।

## बातों...बातों में...

सुकांत राजपूत

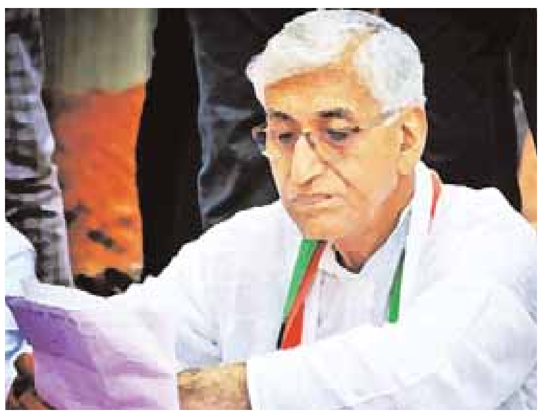

### टीम बाबा...

भाजपा के लिए जिस तरह बिरजू भैइया संकटमोचन हनुमान साबित होते रहे हैं। ठीक उसी तरह अब कांग्रेस के बिरजू बाबा एंड टीम है। प्रदेश की 15 साल की सत्ता को उखाड़ फेंकने वाले सिंहदेव ही वो शक्सियत हैं जिन्हों ने धूप, बारिश, ठंड में सूबे के हर इलाकों में गए और लोगों से बात कर कांग्रेस का चुनावी एजेंडा बनाया। इस मशक्कत के बाद वे सरगुजा के महाराजा के साथ ही राज्य के शहर, कस्बों, ग्रामों और गलियों तक कांग्रेस के बाबा बन गए। हालाकि बाबा तो फिर बाबा हैं फिर राजा को वो नहीं मिला जिसके वे काबिल हैं। खैर, कामयाबी मिली अब उन्हें बिहार का दारोमदार मिला है। एक बार फिर बाबा अपनी टीम को लेकर बिहार में तंबू ताने बैठे हैं। उनकी टीम में उनके परशुराम और परशुराम की गोद में खेले खबरनवीस भी हैं। ये होती है पार्टी के प्रति बिना किसी लालल और पुरानी मेहनता का नाकाफी ईनाम के बाद भी वफादारी का निजाम।

### गांव के दाऊ...

गांव, गरीब, आदिवासी और किसान जिसके साथ है वो सबसे कामयाब राजनीतिज्ञ है। इन चार वर्गों में से सिर्फ दो श्रेणियों को ही साधकर लगातार 15 साल राज किया। अब सियासी उलेमाओं ने फाल( भविष्यवाणी ) खोला है। जानकारों का कहना है कि दाऊ से शहर भले ही छूट रहा है पर गांव, गरीब, आदिवासी और किसान प्रायोरटी से साधा जा चुका है। जाहिर है अगर इन दावों में 3 वर्ग भी हैं तो 20 साल सत्ता का दावा किया जा सकता है। हालाकि शहरी अब भी खुद को नजरअंदाज सा समझ रहा है पर सच में अगर दाऊ की शोहरत का किसी को संदेह हो तो वह गांव का चक्कर लगा आए। जिसने दूध से ज्यादा नहीं कमाया वो गोबर से मालामाल कर दिया गया है। आदिवासी की चिरौंजी नुक्सान में ही सहीं पर सरकार खरीद रही है। किसान को वो सबकुछ मिला जो वादा किया। संविदा कर्मियों को जो बोला वो किया। गरीब को लॉकडाउन के हाल में भी पेटभर राशन अग्रिम में दे दिया गया तो बस फिर क्या 20 नहीं 25 साला सरकार के लिए तैयार रहें।

### पलटू वजीर...

कुछ में ये गुण जन्मजात होते हैं तो कोई को यह विरासत में मिलता है। मेरी शर्ट से उसकी शर्ट इतनी सफेद कैसे टाइप वाले नेताओं की सूबे में भरमार है। फिर वो क्या बोल रहे हैं यह समझ नहीं आता। खैर, सत्ता है ही ऐसी चीज कि विरोधी पार्टी की सत्ता वाले राज्य में हुई बर्बर घटना के लिए अपनी साइज और मुंह से बड़ा बयान देने वाले एक वजीर ने अब पलटी मार दी है। बलरामपुर में मासूम से गैंगरेप मामले को छोटा बताकर हाथरस के मामले को बड़ा बताने की गलती कर गए। महज पार्टी के आकाओं और विरोधी दल की फजीयत की नियत से दिया गया गंभीर बयान उनके गले की हड्डी बन गया। विपक्षी भी ये मौका कैसे चूकते और तत्काल उनकी जुबान पकड़ लिए। बस अब खुद को घिरते देखकर पलटू वजीर सफाई पेश कर रहे हैं।

### हैंडसम कॉप...

राजधानी के थानों में अब हिरो टाइप हैंडसम कॉप्स की भरमार है। एक वक्त था बेल्ट और वर्दी की शर्ट की बटन तोड़ता लंबा उदर, वर्दी का पैंट पीछे से दो फाड़ में दिखती मोटी बेडोल कमर वाले ही तैनात थे। चलने, दौड़ने और उठने-बैठने में ही तकलीफ नहीं बल्कि कई तो गंभीर बवासीर से परेशान थाना के प्रभार देख रहे थे। अब राजधानी के थानेदार ऐसे लुक में हैं कि कमसीन उन्हें देखने-छेड़ने के लिए लरज रही हैं। गोलबाजार थाना हो या फिर रायपुर की सदर पुलिस लाइन के डीएसपी। महंगा रेबन गॉगल, वी-शेप बॉडी, 6 पैक के साथ ही उम्र भी माशाअल्लाह कम। इन हिरो टाइप के अफसरों का डीएफ में यूं एक साथ राजधानी में आना वक्त बे वक्त कुछ गुल खिलाएगा। बातों ही बातों में एक अनफिट अफसर ने ईर्ष्या भरे अंदाज में कहा देखना लौंडे हैंडसम हैं उनका ब्रांडेड रेबन ग्लास रैली, धरना, प्रदर्शन के साथ ही अब अफसरों के सामने भी नहीं उतरता। एक वक्त था जब बस्तर में एक आईएएस का गॉगल उनके लिए मुसीबत बन गया था। तो जिला पुलिस बल के साहब लोग...सावधान हो जाएं। हैंडसम मुसीबत बस कभी भी दस्त दे सकती है।

# जगदलपुर : नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या

**मुखबिरी का था आरोप, नगरनार प्लांट पर लाल आतंक की नजर**

*नव प्रदे संवाददाता*

**जगदलपुर।** जगदलपुर शहर से मात्र 40 किमी दूरी गुमलवाडा इलाके में नक्सलियों ने देर रात एक ग्रामीण की हत्या कर दी है। इस हत्या के साथ ही गुमलवाड़ा और उसके आसापास के इलाकों मे दहशत का माहौल हैं मरने वाले का नाम बुधरा नाग बताया जा रहा है । इस इलाके में यह पहला मौका है जब नक्सलियों ने पुलिस की मुखबिरी करने के आरोप में किसी ग्रामीण की हत्या की हो।

ग्रामीणों के अनुसार देर रात लगभग दस से बारह की संख्या में ग्रामीण वेषभूषा में पारंपरिक हथियार के साथ नक्सलियों का दलम गांव में पहुंचा और उन्होंने घर में घुस कर पहले बुधरा नाग को घसीट कर घर से बाहर निकला और उसकी बेदम पिटाई की। पिटाई करने के बाद ही उसे घर से कुछ दूर ले जाया गया जहा नक्सलियों ने धारदार हथियार से बुधरा पर वार किया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी सुबह पुलिस को मिली तब तत्काल नगरनार की पुलिस मौके पर पहुँच कर शव को अपने कब्जे में लिया और जाँच शुरू कर दिया। बस्तर में इन दिनों नक्सली लगातार निर्दोष ग्रामीणों को अपना निशाना बना रहे हैं और उनपर पुलिस के लिए मुखबिरी करने का आरोप लगा रहे हैं। हालाँकि इस घटना में नक्सलियों कोई पर्चा नहीं फेंका है किन्तु डरे सहमे ग्रामीणों ने जो जानकरी दी है उस आधार पर हमला करने वाले नक्सलियों में कुछ ग्रामीणों ने लक्ष्मण का नाम लिया है। लक्ष्मण कांगेर एरिया कमेटी का ही सक्रिय सदस्य है जो लम्बे समय से इस क्षेत्र में संगठन के लिए काम कर रहा है। लगातार ग्रामीणों को निशाना बना रहे नक्सलियों ने पहली बार नगरनार क्षेत्र के किसी ग्रामीण की हत्या की है जो बस्तर पुलिस के लिए सबसे ज्यादा चौंकाने वाला मामला है।

दरअसल आज से लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व इसी क्षेत्र में पुलिस की नक्सलियों से एक बड़ी मुठभेड़ हुई थी जिसमे जवानों ने छह नक्सलियों को मार गिराया था और इस मुठभेड़ में एक नाबालिग ग्रामीण भी मारा गया था ,अब जब से बस्तर में नक्सलवाद ने पैर पसारा है तब से इस इलाके में यह पहली मुठभेड़ थी।

आपको बता दें जिस क्षेत्र में यह मुठभेड़ हुई है उसे बस्तर के सबसे ज्यादा विकासशील क्षेत्र के तौर पर देखा जाता है जिसके पीछे वजह है। नगरनार का स्टील प्लांट जिसका बजट 23 हजार करोड़ बताया जा रहा है जिसको लेकर हाल ही में विरोध प्रदर्शन चल रहा है कारण निजीकरण का बताया जा रहा है जिससे यहाँ के आदिवासियों में रोष देखा जा रहा है जिसका फायदा उठाने नक्सली आसपास के इलाकों में मुखबिरी के शक में ग्रामीण की हत्या कर अपना वर्चस्व बनाने पैर पसार रहे है।

### नगरनार प्लांट के मजदूरों पर लाल आतंक की नजर

*नक्सली अब यहां अपने नए दलम की तलाश में नगरनार के थाना क्षेत्र में पहुँच रहे हैं। शहर से सटे ऐसे कई गांव व कस्बे हैं जहां नक्सलियों के लिए कई लोगों के काम करने की खबरें आती रहती हैं। खास तौर पर नक्सली ओड़िशा से लगे नगरनार इलाके में विशेष जोर दे रहे हैं। फिलहाल खबर आ रही है कि नगरनार स्टील प्लांट निजीकरण होने की कगार पर है। जिसका विरोध प्रदर्शन के साथ ही धरना प्रदर्शन भी चल रहा है ।इस प्लांट में कंस्ट्रक्शन कंपनियों में आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओड़िशा, बंगाल समेत अन्य राज्यों के मजदूर यहां काम करने आ रहे हैं। ऐसे में नक्सलियों की नजर इन मजदूरों पर भी बनी हुई है।*

*एक ग्रामीण की हत्या नक्सलियों द्वारा कर दी गयी है जिसकी जांच चल रही है साथ ही गुमलवाड़ा नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण घटना को अंजाम दिया गया है हालांकि मृतक युवक गाँव के विकास को लेकर हमेशा उत्साहित रहता था और जवानों से सहयोग की अपेक्षा के साथ मिलता रहता था।*

**दीपक झा, पुलिस अधीक्षक, बस्तर**

# खेतों में बिछ गई फसल बालियां सड़ने की कगार पर

*नव प्रदेश संवाददाता*

**खरोरा।** खरोरा सहित आसपास क्षेत्र में किसानों के लिए इस बार धान की फसल को सुरक्षित बचाना चुनौती भरा कार्य हो गया है। फिर बारिश अब कीट प्रकोप ने किसानों को आर्थिक रुप से कमजोर कर दिया है। अंचल में धान की फसल को जमकर नुकसान पहुंचाया। अब फसल भूरा माहू कीट की भेंट से गया है इसके चलते किसान परेशान हैं। वही तेज हवा के साथ हुई बारिश के कारण बालियों से लदी धान के पौधे खेतों में गिर गए तथा खेतों में पानी भर गया है। कोरोना की दहशत के बीच इस बारिश ने किसान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

किसानों अनुसार पानी में गिर चुकी पौधों की बालियां अब तक पक नहीं पाएगी बल्कि सड़ जाएगी। इसके साथ ही खराब मौसम के कारण खड़ी फसल में तरह-तरह की बीमारियों का प्रकोप भी होगा। खरोरा क्षेत्र में शाम से हो रही तेज बारिश से धान की फसल हो रही खराब किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें देखी गई है। खरोरा सहित आसपास ग्रामीण अंचलों में सुबह से हो रही तेज बारिश के चलते फसलों को भारी नुकसान हुआ है। तेज बारिश के साथ तेज हवा भी हुआ है फसल पूरी तरह से गिर गए हैं जिसके चलते किसान काफी चिंतित नजर आ रहे हैं। पिछले 2 दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कई हिस्सों में खेतों अत्यधिक पानी के बहाव फसलें व्यापक रूप से नष्ट हो गई है यदि खेतों से पानी निकाला नहीं गया, तो फसल सड़ सकती है।

### दो-तीन दिन से हल्का बारिश

शनिवार शाम आई तेज हवा के साथ बारिश ने किसानों के सपनों पर पानी फेर दिया फिर से शुरू हुई बरसात ने फसल को चौपट कर दिया है। वहीं किसानों की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है। अंधड़ की वजह से किसानों के लिए मुसीबत से कम नही है।

# लवन में लगातार हो रही मवेशियों की मौत, प्रशासन गंभीर नहीं

*नव प्रदेश संवाददाता*

**लवन।** प्रदेश सरकार की रोका छेका योजना में नगर पंचायत रूचि लेते नहीं दिख नही है, जिसके कारण यह योजना फ्लाप साबित हो रही है। आज भी बड़ी संख्या में मवेशी मुख्य मार्ग पर डेरा डाले हुए है। इससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है। शुक्रवार की रात्रि को अज्ञात वाहन की ठोकर से मुख्य मार्ग पर बैठे 5 मवेशियों की मौत गई।

उल्लेखनीय है कि बलौदाबाजार-गिधौरी मार्ग पर मुख्य मार्ग के किनारे दर्जनों की संख्या में अज्ञात मवेशी बैठे रहते है। इन मवेशियों की देखरेख करने वाला कोई नहीं है। वही दूसरी ओर गांव-गांव में गौठान बनाए गए है। वहां आज भी मवेशियों को रोके नहीं जा रहे है। गौठानो में अभी भी चारा एवं पानी की पर्याप्त व्यस्था नहीं है तथा कुछ गांवों में चरवाहे की व्यवस्था भी नहीं हो पाई है। वही कुछ किसान ऐसे भी है जो अपने गाय, बैल, भैंस को खुले में छोड़ रहे है, जिससे वे किसानों की खेती को नुकसान पहुचा रहे है। वर्तमान में करगा छटाई का कार्य तेजी से चल रहा है। विदित हो कि गोधन के संरक्षण और संवर्धन छत्तीसगढ़ सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसके लिए सरकार इन दिनों रोका छेका अभियान चला रही है, लेकिन नगर पंचायत लवन में इसका कोई असर नजर नहीं आ रहा।

## डाकघर में उत्तरपुस्तिका स्पीड़ पोस्ट करने छात्रों की भीड़ उमड़ी

**मुंगेली।** मुंगेली के मुख्य डाकघर में इन दिनों छात्रों की बड़ी भीड़ उमड़ पड़ी है छात्रों द्वारा उत्तरपुस्तिका को स्पीड़ पोस्ट के माध्यम से कॉलेज में भेजने की व्यवस्था चलते छात्रों को स्पीड़ पोस्ट के लिए डाकघर में आना पड़ रहा है। जिससे भीड़ इतनी उमड़ पड़ती है कि कार्यालय के अंदर भर जाने के बाद कार्यालय के बाहर भी बड़ी संख्या में छात्रों लाइन लगाये दिखने लगे है। जो कोरोना काल में लोगो के लिए बड़ा खतरा बनी हुई है जिससे डाकघर से कर्मचारी-अधिकारी परेशान है प्रतिदिन बड़ी संख्या में रजिस्ट्री/स्पीड पोस्ट हो रही है। परीक्षा के 5 दिन के भीतर जमा करना होता है जिसे 3 अक्टूबर को बढ़ा कर 10 दिवस के भीतर अब जमा करना है। उत्तरपुस्तिका कों महाविद्यालय में जमा होने चाहिए लेकिन महाविद्यालय ने उत्तरपुस्तिका जमा करने के लिए स्पीड पोस्ट या रजिस्ट्री द्वारा भेजने की व्यवस्था है जो कि छात्रों के लिए खर्चीला व कोरोना संक्रमण के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है।

# शहर के 2 कबाड़ियों से पौने 9 लाख के वाहन पाट्‌र्स और कबाड़ जब्त

*नव प्रदेश संवाददाता*

**भाटापारा।** शहर पुलिस ने शहर के 2 नामचीन कबाड़ियों के यहाँ दबिश देकर उनके ठिकानो से लगभग पौने 9 लाख का वाहन पाट्‌र्स सहित अन्य कबाड़ का सामान जब्त कएने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने उन दोनों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही कर रही है। पुलिस की इस बड़ी कार्यवाही के बाद छोटे कबाड़ियों में दहसत का वातावरण बना है।

पुलिस अधीक्षक आई के एलेसेला के द्वारा चोरी के माल को अफरा तफरी कर खपाने वालों के विरूद्ध कार्यावाही के निर्देश के बाद उक्त कार्यवाही की गई।थानेदार महेश कुमार धुव ने बताया की धारा 41 (1+4) जा0 फौ0 /379 भादवि के तहत आरोपी रामकुमार बंजारे पिता सुखेलाल बंजारे उम्र 57 साल पता शक्ति वार्ड और मनीराम यादव पिता फुलचंद यादव उम्र 57 साल पता नाका नंबर 01 भाटापारा के विरूद्ध कार्यवाही की गई। टी आई धुव ने बताया की

सुभाष बाजार स्थित रामकुमार बंजारे के कबाडी दुकान व गोदाम में वाहन के पाट्‌र्स को दो पहिया-चार पहिया वाहन पाट्‌र्स कटिंग कर अफरा तफरी करने भारी मात्रा में रखे जाने की सुचना पर सुभाष बाजार स्थित रामकुमार बंजारे के कबाडी दुकान व शक्ति वार्ड के गोदाम में दबिस देकर रेड कार्यावाही किया गया कबाडी समानों के बीच में कमानी पट्टा 115 नग (कीमती 34500 रू ), गियर बाक्स 3नग ( 7000रू ) , टायर 6 नग ( 3000 रू ) , छोटा हाथी वाहन का इंजन 1( 1200 रू ), सापट 4 नग ( 2000 रू ), लोहे का चक्का 2 नग ( 2000 रू ), सेल्फ 4 नग ( 4000 रू ), अल्टीमेटर 5 नग ( 2500 रू ) , डिक्स 1 नग ( 300 रू ), सुमो वाहन का पंप 1 नग ( 150 रू ), काबैटर 1 नग ( 400 रू ) , गैस कटर पाईप 1 नग ( 2500 रू ) कीमती 59550 व अन्य कबाड़ सामान 115000 जुमला कीमती 174550 रू को छिपाकर रखे मिला उक्त समान को जब्त कर दुकान को सील किया गया है ।

इसी तरह नाका नंबर 1 स्थित मनीराम यादव के कबाडी दुकान व गोदाम में दबिस देकरें दो पहिया- चार पहिया वाहनो के पार्टस सेल्फ स्टाटर 13 नग, अल्टीमेटर 29 नग , काउंटर 4 नग, हेड कंप्रेशर 01 नग, रोटरी पंप 01 नग , सर्बे ब्रेकर 01 नग हेंगर पट्टा का 09 नग, चिलम होल्डर सेट 09 नग, पट्टा कमानी कुल 212 नग , सापट चक्के का 06 नग , एक्सल 07 नग डिक्स ट्रक व पिकअप का 11 नग , रियेडर ढक्कन टीन 01 नग , ड्रम ब्रेक 01 नग, पानी पंप मोटर 01 नग कार का कटिंग किया हुआ सामने का प्लास्टीक के बम्फर 01 नग कार का साईड गेट अंदर का कटिंग किया हुआ 01 नग अन्य नट बोल्ट 04 नग जुमला कीमती 300000 रू को छिपाकर रखे मिला व ग्राम पेण्ड्री में मनीराम का गैरेज है जहां पर व कटिंग का काम करता था वहां पर भी 4 ट्रक कटिंग के लिए रखे मिली ट्रकों की कीमत लगभग ?400000 है कुल जुमला ?700000 रुपये का सामान जब्त किया गया। थानेदार ने बताया की रामकुमार और मनीराम ने मॉल के स्वामित्व के समान के संबंध में कोई दस्तावेज पेश नही किया इस कारण सभी समानो को जब्त करते हुए कार्यपालक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में सील किया गया है।

# अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

**लवन।** इन दिनों लवन नगर से लेकर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। इस समस्या से लोग ग्रसित हो गए हैं। शांम को बिजली बंद होने पर कभी पूरे रात तक व कभी रात्रि के 12 बजे तक लाइट बंद रहती है। शिकायत के बाद भी बिजली की समस्या जस की तस बनी हुई हैं।

लवन सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में लगातार बिजली की समस्या बनी हुई है। यहां हद तो तब हो गई जब लगातार मिल रही शिकायत के बावजूद विभाग के अधिकारियों का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है। बिजली की समस्या क्षेत्र में कुछ स्थानों पर ही नहीं, बल्कि समूचे लवन क्षेत्र में बनी हुई है।

विद्युत कटौती का कोई समय निर्धारित नहीं है, बिजली कब आती है और कब चली जाए इसका भरोसा नहीं है। विद्युत कटौती के चलते जनमानस कराह उठा है। बिजली की अव्यवस्था से सबसे ज्यादा बुजुर्ग और बच्चे परेशान हैं बिजली की कटौती को लेकर विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों की अनदेखी चिंता का बिषय है क्योंकि बिजली की किल्लत के साथ-साथ पीने के पानी की भी समस्या उत्पन्न हो जाती है और लोगों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। अंचल में बिजली के आने का समय निश्चित नहीं है तथा बिजली कितनी देर रुकेगी, रुकने का भी भरोसा नहीं है। बिजली कब आयेगी कितनी देर रहेगी और कब चली जायेगी इसको स्वयं बिजली विभाग के अधिकारी भी दिमाग पर नहीं लेते हैं। कभी - कभी लोग बिजली नहीं रहने के कारण पूरी रात जाग कर बिता रहे हैं। वही इस संबंध में कनिष्ठ अभियंता प्रशांत विल्सन पन्ना से मोबाईल पर सम्पर्क करने का प्रयास किया गया, किन्तु जिम्मेदार अधिकारी ने फोन रिसीव करना मुनासिब नहीं समझा।

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### भोपाल में रेप: 40 साल के

एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। घटना को लेकर कांग्रेस ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। एएसपी दिनेश कौशल ने बताया कि देर रात पीड़िता के मां-बाप पुलिस थाने आए थे। उन्होंने बताया कि उनकी 20 साल की लड़की एक दुकान पर काम करती है। वह घर नहीं लौटी है। पुलिस ने सभी संभावित जगह और ठिकानों पर तलाश की। पुलिस सबसे पहले जिस दुकान पर लड़की काम करती थी, वहां पहुंची तो उन्होंने बताया कि वह एक्टिव लौटाने किसी देवी सिंह के यहां गई है। इधर, पुलिस से पहले ही लोगों ने आरोपी को खोज लिया। डीआईजी इरशाद वली ने बताया कि अभी तक के बयानों के आधार पर पीड़िता की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मुख्य आरोपी देवी सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया है।

### आरएलडी कार्यकर्ताओं का पुलिस

और सपा कार्यकर्ताओं का भारी हंगामा हुआ। पुलिस ने जयंत चौधरी पर भी लाठीचार्ज की कोशिश की। पूर्व सांसद और आरएलडी नेता जयंत चौधरी और कार्यकर्ताओं पर पुलिस का लाठीचार्ज। जयंत चौधरी को बचाने के लिए आरएलडी कार्यकर्ताओं ने घेरा बना लिया। इस दौरान पुलिसकर्मी लगातार लाठीचार्ज करते रहे। हाथरस सदर के एसडीएम प्रेम प्रकाश मीणा ने लाठीचार्ज के बारे में बताया, 'गांव में अभी 5 से अधिक लोगों के प्रतिनिधिमंडल को जाने की इजाजत नहीं है। हमें समाजवादी पार्टी और आरएलडी के 5 लोगों के नाम मिले थे। तभी कार्यकर्ताओं ने महिला पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया और बैरिकेडिंग तोड़ डाली। पत्थरबाजी भी की गई। हमारे एक सीओ घायल हुए हैं। भीड़ को नियंत्रण में लेने के लिए हमें लाठीचार्ज करना पड़ा। अभी हालात सामान्य हैं।

### सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड

जांच माँग रहा है तब क्यों सीबीआई जांच का हल्ला करके एसआईटी की जांच जारी है। यूपी सरकार यदि जरा भी नींद से जागी है तो उसे परिवार की बात सुननी चाहिए।

### जीएसटी काउंसिल की

शासित राज्यों ने केंद्र सरकार द्वारा कर्ज उठाने के दिये गये विकल्प को अब तक नहीं चुना है। सूत्रों का कहना है कि पांच अक्टूबर को होने वाली जीएसटी परिषद की 42वीं बैठक में विपक्षी दलों के द्वारा शासित राज्य केंद्र के विकल्प का विरोध कर सकते हैं।

### सत्ता में आते ही कूड़ेदान

शनिवार को हाथरस की यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश में था, जहां पर एक बेटी की हत्या कर दी गई। जिन्होंने उसे मारा, उसके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया। परिवार जिसकी बेटी की हत्या हुई, उसी को घर में बंद कर दिया गया। डीएम और सीएम ने धमकी दी। भारत में ये हालात हैं। अपराध करने वालों को कुछ नहीं होता है, लेकिन पीड़ित के खिलाफ ही कार्रवाई कर दी जाती है। राहुल गांधी रविवार दोपहर मोगा पहुंचे थे। वह आज से शुरू हुई तीन दिवसीय ट्रैक्टर रैलियों का नेतृत्व कर रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, कांग्रेस महासचिव एवं पंजाब मामलों के प्रभारी हरीश रावत, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष सुनील जाखड़, राज्य के वित्तमंत्री मनप्रीत सिंह बादल और अन्य नेता भी रैली में शामिल होने के लिए मोगा पहुंचे। 'खेती बचाओ यात्रा' के नाम से निकाली जा रही ट्रैक्टर रैलियां करीब 50 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करेगी और विभिन्न जिलों तथा निर्वाचन क्षेत्रों से गुजरेंगी।

# कांग्रेस में 4 सीटों पर पेंच फंसा: एक सीट पर तो उम्मीदवार तक बदलने पर विचार

### मुरैना, मेहगांव, बड़ामलहरा और ब्यावरा से ज्यादा उम्मीदवार को लेकर घमासन मचा है

### दतिया जिले के फूल सिंह बरैया के खिलाफ भोपाल के कोलार थाने में शिकायत की गई

*नव प्रदेश संवाददाता*

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में 28 सीटों पर विधानसभा के उपचुनाव के उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस में अंदरूनी कलह सामने आ गई है। यही कारण है कि अब शेष चार सीटों मुरैना, मेहगांव, ब?ामलहरा और ब्यावरा के लिए शनिवार को होने वाले ऐलान को टाल दिया गया। इसको लेकर अब आला नेताओं में मंथन शुरू हो गया है। इधर, मुरैना और बदनावर सीट पर प्रत्याशी को लेकर विरोध शुरू हो गया है। जबकि पार्टी ने दो राउंड में 24 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। पार्टी के एक अन्य महत्वपूर्ण उम्मीदवार और दतिया जिले के बड़े नेता फूल सिंह बरैया के खिलाफ ब्राह्मण समाज मैदान में उतर आया है। विधायक गोवर्धन सिंह दांगी के निधन से खाली हुई राजगढ़ जिले के ब्यावरा सीट पर कांग्रेस ने अभी प्रत्याशी घोषित नहीं किया है।

## बड़ामलहरा में जातिगत समीकरण महत्वपूर्ण

विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी के त्यागपत्र के बाद खाली हुई छतरपुर जिले की बड़ामलहरा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी के चयन को लेकर पेंच फंसा है। मुद्दा जातिगत समीकरण के आधार पर यादव या लोधी को टिकट दिए जाने को लेकर है। भाजपा से तीन बार विधायक रहीं रेखा यादव को कांग्रेस में शामिल कराने के लिए जोरदार राजनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। यदि यह संभव हुआ तो उन्हें प्रत्याशी बनाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त जिन नामों पर कांग्रेसी नेता विचार कर रहे हैं, उनमें 2013 में प्रत्याशी रहे तिलक सिंह लोधी, जिला पंचायत सदस्य दिनेश यादव और टीकमगढ़ जिले से जनशक्ति पार्टी के विधायक रहे अजय यादव के नाम शामिल हैं।

## मुरैना में दो नामों पर मंथन

विधायक रघुराज कंसाना के इस्तीफे के बाद मुरैना सीट पर कांग्रेस के दो प्रबल दावेदार राकेश मावई और दिनेश गुर्जर के बीच प्रत्याशी चयन को लेकर कशमकश की स्थिति बन गई है। राकेश मावई सिंधिया समर्थक माने जाते थे और वे कांग्रेस छोड़कर दो-चार दिनों के लिए भाजपा भी ज्वाइन कर चुके थे। बाद में फिर से कांग्रेस में वापसी की। वर्तमान में वे जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं और पार्टी के आंतरिक सर्वे में उन्हें चुनाव जीतने के योग्य प्रत्याशी माना गया है। जबकि दिनेश गुर्जर दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के समर्थक होने के साथ ही वर्तमान में किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं।

## नाम तय, औपचारिक घोषणा करना शेष

चारों विधानसभा सीटों पर पार्टी प्रत्याशी को लेकर अंतिम मंथन किया जा चुका है। अब सिर्फ नामों की औपचारिकता रह गई है। हालांकि पार्टी नामों की घोषणा करने से पहले विरोध के सुर को परख रही है, ताकि उसे शांत किया जा सके। इस बीच आज प्रदेश कांग्रेस प्रभारी मुकुल वासनिक भोपाल आ गए हैं। वे सभी क्षेत्रों के दावेदारों से भी मुलाकात कर उनकी राय जानने का प्रयास कर रहे हैं।

## मेहगांव में सबसे ज्यादा समस्या

भिंड जिले की मेहगांव सीट में कांग्रेस के लिए प्रत्याशी चयन सबसे बड़ा सिरदर्द बना हुआ है। सर्वे के बाद चुनाव जीतने योग्य प्रत्याशी के रूप में सामने आए चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी के नाम पर पार्टी के ही कई वरिष्ठ नेताओं के विरोध के बाद यह स्थिति निर्मित हुई है। लगभग 1 साल पहले कांग्रेस में घरवापसी करने वाले राकेश चतुर्वेदी 10 वर्ष पहले ही विधानसभा में कांग्रेस विधायकदल के उप नेता रहते हुए भी अचानक भाजपा में चले गए थे। उनकी यही भूल अब उनके रास्ते का सबसे बड़ा कांटा बन गई है। इसके अतिरिक्त विकल्प के रूप में पूर्व विधायक हेमंत कटारे का नाम सामने आया है। उन्हें कमलनाथ की पसंद बताया जा रहा है। जबकि राकेश चतुर्वेदी का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह समेत अधिकांश पार्टी नेता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि यहां से पूर्व मंत्री डॉक्टर गोविंद सिंह के भांजे राहुल सिंह भदौरिया को टिकट दिया जाए।

### उपचुनाव का घमासान

## कमलनाथ के सरकार बनाने के दावे पर विजयवर्गीय का तंज; बोले- इस उम्र में नींद नहीं आती है तो सपने आते हैं और सपने देखने में बुराई क्या है?

### इंदौर में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय का बड़ा बयान

### विजयवर्गीय ने कहा- जोशी को पार्टी हित में शक्ति प्रदर्शन के लिए कहा गया था

*नव प्रदेश संवाददाता*

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में 28 सीटों पर होने वाले विधानसभा के उप चुनाव को लेकर दोनों पार्टियों के बीच सरगर्मी बढ़ गई हैं। इंदौर में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कमलनाथ को नींद न आने की समस्या बता दी। साथ ही कहा कि उन्हें सपने देखने दीजिए। कैलाश से जब पूछा गया कि कमलनाथ ने कहा है कि 35 दिन बाद प्रदेश में हमारी सरकार बनेगी। इस पर विजयवर्गीय ने तंज कसा। कहा- इस उम्र में नींद नहीं आती है तो आदमी सपने देखता है, सपने देखने में बुराई नहीं है। इस उम्र में आकर नींद कम हो जाती है, फिर रात में सपने आते हैं। उनके साथ यही हो रहा है। भाजपा की कुछ सीटों को लेकर ऊहापोह वाली स्थिति पर विजयवर्गीय ने कहा कि आज चुनाव कार्यसमिति की बैठक है, उसमें सब ठीक हो जाएगा। पूर्व तकनीकी शिक्षा मंत्री दीपक जोशी के भोपाल में प्रदर्शन को लेकर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जोशी को पार्टी हित में शक्ति प्रदर्शन के लिए कहा गया था। हाथरस की घटना बेहद निंदनीय है, लेकिन अब वहां पर कार्रवाई हो रही है। योगी की प्रशासनिक क्षमता पर कोई उंगली नहीं उठा सकता है। उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। कृषि संशोधन बिल के पास होने के बाद एनडीए से अलग हुए अकाली दल को लेकर विजयवर्गीय ने कहा कि कभी-कभी कार्यकर्ताओं और जनता के दबाव में निर्णय लेना पड़ते हैं, लेकिन कृषि बिल को पढ़ा और समझा गया होता तो यह स्थिति नहीं बनती। वह बिल को अच्छी तरीके से समझते और डंके की चोट पर समझाते तो पंजाब के अंदर आंदोलन नहीं होता। नेता कभी-कभी फॉलोवर्स के दबाव में आ जाता है। नेतृत्व को कई बार कड़वे घूंट पीकर स्टैंड लेना चाहिए। 84 में दंगे हुए थे और जब सारा देश सिख समाज के विरोध में था, भाजपा ने स्टैंड लिया था कि सिख समाज हमारा ही हिस्सा है।

### न्यूज गैलरी

## गूगल सर्चिंग में शिवराज और कमलनाथ पर भारी हैं ज्योतिरादित्य सिंधिया

**भोपाल।** मध्यप्रदेश की 28 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासी पारा गर्म है। कोरोना काल में पार्टियां जहां वर्चुअल रैलियां कर रही हैं वहीं, सोशल मीडिया में मध्यप्रदेश के तीन नेताओं की सर्चिंग बढ़ी है। गूगल सर्चिंग में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व सीएम कमल नाथ और राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया को बीते कई महीनों से सर्च किया जा रहा है।

#### देश-प्रदेश में कौन भारी

गूगल सर्चिंग में ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान और कमल नाथ से काफी आगे हैं। वहीं, प्रदेश में सबसे ज्यादा शिवराज सिंह चौहान को सर्च किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की सर्चिंग 54 फीसदी है तो देश में 38 फीसदी। ज्योतिरादित्य सिंधिया की सर्चिंग प्रदेश में 24 फीसदी है तो देश में उन्हें 43 फीसदी लोग सर्च करते हैं। वहीं, पूर्व सीएम कमलनाथ की सर्चिंग मध्यप्रदेश में 22 फीसदी है तो देश में 19 फीसदी लोग उन्हें सर्च करते हैं।

#### क्या सर्च करते हैं लोग

लोग सर्च इंजन पर सीएम शिवराज सिंह चौहान का नंबर खोज रहे हैं तो पूर्व सीएम कमलनाथ का धर्म, सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया की उम्र उनके परिवार और संपत्ति को लेकर यूजर्स में खासी दिलचस्पी है। ज्योतिरादित्य सिंधिया यूएस, यूएई और कनाडा में भी सर्च किए गए हैं। यह गूगल ट्रेंड प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के दौर यानी 1 मार्च 2020 से 30 सितंबर का है।

#### शिवराज के बारे में क्या जानना चाहते हैं लोग

भारत में 38 प्रतिशत लोगों ने सीएम शिवराज सिंह चौहान से संबंधित कीवर्ड इस्तेमाल किया है। लोगों ने उन्हें कोरोना हो जाने के बारे में जाना, उनकी जाति को लेकर सर्चिंग की। शिवराज सिंह चौहान से संबंधित खबरें खूब पढ़ीं गई। एमपी सीएम कीवर्ड भी खूब सर्च किया गया। बता दें कि शिवराज सिंह चौहान सोशल मीडिया पर सक्रियता में आगे हैं।

#### सिंधिया के बारे में क्या सर्च करते हैं लोग

सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया गूगल ट्रेंड में शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से आगे हैं। देश में उन्हें 43त्न लोगों ने सर्च किया में सर्च किया। यूएस में 74 तो यूएई में 72 फीसदी लोगों ने ज्योतिरादित्य सिंधइया को सर्च किया। लोगों ने उनकी मां, पत्नी और बेटे के बारे में खूब पढ़ा। ज्योतिरादित्य सिंधिया की संपत्ति के बारे में भी सर्चिंग की गई। सिंधिया को कोरोना होने की खबर भी चर्चित रही।

**कमलनाथ की उम्र की गई सर्च**

कमलनाथ की उम्र भी खूब सर्च की गई। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना भी सुर्खियों में रहा। हालांकि देश में शिवराज और सिंधिया के मुकाबले गूगल सर्चिंग में कमल नाथ पीछे हैं।

### भोपाल में 9 साल की बच्ची ने सुसाइड की

## मां के डांटने पर लड़की ने छत पर जाकर फांसी लगाई; पिता फंदे से उतारकर बेटी को पानी पिलाते रहे, नहीं बचा पाए जान

### बच्ची घर में पले खरगोश को छत से नीचे लाना चाह रही थी

### मां के मना करने पर वह गुस्सा होकर छत पर चली गई थी

*नव प्रदेश संवाददाता*

**भोपाल ।** श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र में सेकंड क्लास में पढ़ने वाली 9 साल की एक बच्ची ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह घर में पले खरगोश को छत से नीचे लाने की जिद कर रही थी। मां ने उसे डांट दिया था। इससे नाराज होकर वह छत पर चली गई। 15 मिनट बाद पिता छत पर पहुंचे तो वह फंदे पर लटकी थी। उन्होंने उसे उतारकर पानी पिलाने की कोशिश की, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। श्यामला हिल्स पुलिस के अनुसार, समर्थ केवट एक बिल्डिंग में गार्ड हैं। वे परिवार के साथ स्मार्ट रोड स्थित बालाजी सेरेमोनियल के क्वार्टर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि शनिवार रात वे उनका 11 साल का बेटा, पत्नी और 9 साल की बेटी राधिका घर पर थीं। राधिका खरगोश के साथ खेलना चाह रही थी। वह उन्हें छत से नीचे लाने की जिद करने लगी। इस पर उनकी मां ने उसे डांट दिया। इससे नाराज होकर वह वहां से चली गई। कुछ देर तक उसकी आवाज नहीं आने पर उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। वह छत पर पहुंचे तो बेटी दुपट्टे से फंदा लगा चुकी थी। उन्होंने उसे फंदे से उतारा और पानी पिलाने का प्रयास किया। कई बार मुंह में पानी डाला, लेकिन बेटी के शरीर में कोई हरकत नहीं आई। यह देखकर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रविवार दोपहर बच्ची का पोस्टमार्टम कराया। थाना प्रभारी तरुण भाटी ने बताया कि पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उनके पिता समर्थ बच्ची का शव फंदे से उतार चुके थे। पूरा परिवार गम में है। इसलिए अब तक उनके बयान नहीं हो सके। परिजन के शुरुआती बयान के अनुसार यह एक सुसाइड का केस है। लेकिन यह किन हालात में और कैसे घटना हुई? इसकी जांच की जा रही है। भाटी के अनुसार, राधिका कक्षा सेकंड में पढ़ाई करती थी। अब घर में उसके बाद उसका 11 साल का बड़ा भाई, मां और पिता हैं। परिजन ने बताया कि वह छोटी-सी बात पर भी नाराज हो जाती थी, लेकिन उन्हें कभी एहसास नहीं हुआ

## देरी से सैम्पलिंग चिंताजनक, मामूली छींक-जुकाम पर दवा लेकर इलाज करा रहे लोग

**भोपाल।** कोरोना के बढ़ते मामलों के पीछे बड़ी वजह सामने आ रही है कि कई लोग हल्के लक्षण पर कोरोना के सैम्पल कराने से बच रहे हैं। वे सिर्फ मेडिकल स्टोर से सर्दी, खांसी, बुखार की दवा लेकर काम चला रहे हैं। ऐसे में कुछ को तो राहत मिल जाती है, लेकिन कई लोग हैं, जिनको राहत नहीं मिलती। बाद में कोविड टेस्ट कराने ही पड़ते हैं। ऐसे 80 फीसदी केसों में रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। इस बीच में वे कई अन्य लोगों में कोरोना का संक्रमण बढ़ा देते हैं। अगर ऐसे लोग लक्षण के पहले दिन टेस्ट कराते तो करीबी, रिश्तेदारों व पड़ोसियों में कोरोना वाहक न बनते। कलेक्टोरेट में कोरोना पर रोज समीक्षा होती है। अब यही मुद्दा सामने आ रहा है कि व्यक्ति समय रहते फीवर क्लीनिक पर टेस्ट कराए तो काफी हद तक संक्रमण पर अंकुश लग सकता है। एक सप्ताह में आठ हजार लोग अलग-अलग फीवर क्लीनिक पर सैम्पल कराने पहुंचे हैं, उनमें से दो हजार लोग वे थे, जिनको पहले लक्षण आए, लेकिन वे गए नहीं। बाद में परेशानी बढ़ी तो सैम्पल कराया।

## मेरिट लिस्ट के आधार पर होगा पॉलिटेक्निक में एडमिशन, आवेदन करने वालों की वापस होगी फीस

**भोपाल।** कोरोना के चलते इस साल पॉलिटेक्निक में एडमिशन लेने वाले छात्रों की संख्या पिछले सालों के मुकाबले कम होगी यह खुलासा हाल ही में पीईबी के द्वारा बुलाए गए छात्रों के आवेदन से हुआ है। पिठले साल की तुलना में इस साल करीब 10 हजार से ज्यादा छात्रों की संख्या इस सत्र में कम होगी। इसके साथ ही पीईबी उम्मीदवारों के बुलाए गए आवेदनों को निरस्त करेगी वहीं, छात्रों की फीस भी लौटाई जाएगी। गौरतलब है कि पीईबी ने पीपीटी की परीक्षा नहीं कराएगी। एडमिशन की प्रक्रिया मेरिट लिस्ट के आधार पर होगी। सूत्रों ने बताया कि तकनीकी शिक्षा द्वारा एडमिशन की प्रक्रिया और काउंसलिंग कराई जाएगी यह बदलाव कोरोना के बढ़ते मामलों को देख कर लिया गया है। जानकारों का कहना है कि आवेदन बुलाने के बाद लौटने के लिए पिछले साल की अपेक्षा एडमिशन में गिरावट आएगी।

## कोरोना के कारण भोपाल में होने वाला आलमी तब्लीगी इज्तिमा स्थगित, 72 साल में पहली बार हुआ कैंसिल

**भोपाल।** मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हर साल होने वाले मुस्लिम समाज के दुनिया के दूसरे सबसे बड़े धार्मिक समागम यानी आलमी तब्लीगी इज्तिमा इस साल नवंबर के अपने तय दिनों में नहीं होगा। ये पहला मौका है जब राजधानी भोपाल में पिछले 72 साल से सालाना जारी इज्तिमा कोरोना के कारण स्थगित किया गया है। समाज का ये सालाना धार्मिक कार्यक्रम हर साल भोपाल में ही आयोजित होता है। आयोजन में दुनिया भर से लोग आते हैं। इज्तिमा के दौरान 4 दिनों मज़हबी तकरीर होती हैं। हालांकि, इस बार तेजी से बढ़ रहे कोरोना को देखते हुए, इज्तिमा प्रबंधन और उलेमा ए दीन ने आयोजन को अपने तय दिनों में न करने का फैसला लिया है।

#### संभावित 27 से 30 नवंबर को तय था आयोजन

इज्तिमा प्रबंधन से जुड़े लोगों की मानें तो इस साल इज्तिमा 27 से 30 नवंबर तक प्रस्तावित था। हर साल की तरह इस बार भी इस समय में लाखों मुस्लिम ज़ायरीन राजधानी भोपाल पहुंचते। इसमें इज्तिमा प्रबंधन और प्रशासन की ओर से इंतज़ाम कराया जाता है। लेकिन कोरोना के कारण उलेमा ए दीन कमेटी ने खुद ही इसका आयोजन टाल दिया। क्योंकि, अब तक इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा करने की परमिशन शासन द्वारा नहीं दी गई है। यही कारण है कि, बड़ी संख्या में आने वाले लोगों की व्यवस्था प्रशासन नहीं कर सकता और प्रशासन ने भी अब तक इज्तिमा को लेकर नए नियम और व्यवस्था नहीं की है। साथ ही, दूसरे देशों और राज्यों से आने वाले लोगों से संकर्मण के फैलाव का खतरा भी रहता। इन सभी चीजों वजहों को देखते हुए इज्तिमा आयोजन के स्थगन का फैसला लिया गया है।

#### भोपाल के ईटखेड़ी में होता है आलमी इज्तिमा

हर साल होने वाला ये आलमी इज्तिमा पहले शहर की सबसे बड़ी मस्जिद यानी ताजुल मसाजिद में होता था, लेकिन एक समय ऐसा आया कि, जायरीनों की तादाद बढ़ने के कारण ये जगह कम पड़ने लगी। इससे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था भी डगमगा जाती थी, जिसे देखते हुए इज्तिमा प्रबंधन द्वारा इसे शहर से बाहर खुले इलाके में ले जाना सुनिश्चित किया। इसी के चलते पिछले कुछ सालों से हर साल शहर के बाहर ईटखेड़ी में तब्लीगी इज्तिमा आयोजित किया जा रहा है। बता दें कि, आयोजन में दुनियाभर से जमातें बनाकर लोग भोपाल आते हैं।

**बयान** ऐसे झूठे आयोजनों के लिए मुख्यमंत्री किसानों से मांगें माफी : कुणाल चौधरी

## मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में झूठे किसानों के माध्यम से किए गए बड़े-बड़े दावे

### जब मंदसौर के किसान ने बीज खरीदना चाहा तो खुल गई पोल

*नव प्रदेश संवाददाता*

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के किसानों को शिवराज सरकार किस तरह गुमराह करने और भ्रम फैलाने के लिए शासकीय धन का दुरुपयोग कर रही है उसका उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कांग्रेस के युवा विधायक कुणाल चौधरी ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में इस कुचक्र को बेनकाब किया। उन्होंने मुख्यमंत्री की एक इवेंट जिसमें कि वह किसी बड़े होटल में कुछ किसानों को बैठा कर उनकी फसल की जानकारी लेकर प्रदेश को यह जानकारी देने का प्रयत्न कर रहे थे कि प्रदेश में किसानों के ना केवल उत्पादन में वृद्धि हो रही है बल्कि वह 3 एकड़ के छोटे से खेत में भी लाखों रुपए कमा रहे हैं। मुख्यमंत्री के इस वीडियो को देखकर मंदसौर जिले के एक जागरूक कृषक बद्री लाल धाकड़ ने जब उपसंचालक कृषि विभाग को फोन लगाया और उस किसान से बीज खरीदने हेतु उसकी

जानकारी मांगी तो उन अधिकारी महोदया ने ऐसी कोई भी जानकारी होने से इनकार करते हुए कहा कि आप हॉर्टिकल्चर विभाग में बात करें। उन्होंने हॉर्टिकल्चर विभाग के अधिकारी का नंबर भी किसान को दिया। किसान धाकड़ ने जब हॉर्टिकल्चर विभाग के अधिकारी नीरज सांवरिया को फोन द्वारा संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि झूठा वीडियो वायरल हो गया है। बाद में उन्होंने कहा कि उस वीडियो में जिस किसान को बुलाया गया है उसका चयन उन्होंने नहीं बल्कि भोपाल के प्रदेश अधिकारियों ने किया था इसलिए इंटरव्यू में व्यक्त किए गए विचारों के लिए भोपाल के अधिकारी ही जिम्मेदार हैं। जब जागरूक किसान बद्री धाकड़ ने इस अधिकारी से और जानकारी लेना चाही तो उसने भड़ककर भविष्य में फोन ना लगाने की बात कही और जब किसान ने कहा कि इसकी जानकारी मुख्यमंत्रीजी को दी जाएगी तब उसने इंटरव्यू में बिठाए गए फर्जी किसान का फोन नंबर देकर पल्ला झाड़ लिया। उद्यानकी अधिकारी नीरज सांवरिया के दिए हुए नंबर पर जब किसान से बात की गई और बीज खरीदने की चर्चा की गई तो किसान की पोल पट्टी खुल गई। वह तो हेक्टेयर एकड़ और बीघा तक का अंतर नहीं समझता था और ना ही उसे लहसुन की खेती करने की कोई विशेष जानकारी थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड नं-3 ,पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित, प्रबंध संपादक डॉ. शिशिर उपाध्याय,
फोन नं : 0755-2465533, मो. 9039005699 ( न्याय क्षेत्र भोपाल ), MPHIN/2017/72749 email:navpradeshbhopal@gmail.com